आर.एन.आई. नं. एम.ए.आर./2000/2438
डाक पंजीयन संख्या म.प्र./भोपाल/44/2024–26
"चतुर्वेदी चन्द्रिका" अक्टूबर 2024

प्रकाशन : 03 तारीख
पृष्ठ संख्या : 36
मूल्य : 20/–

स्थापना – माघ/शुक्ल पूर्णिमा सम्वत् 1947 सन् 1890

चतुर्वेदी चन्द्रिका

वर्ष –25 | अंक–09 | आश्विन – कार्तिक स.2081 | अक्टूबर 2024

ॐ जयन्ती मंगला काली भद्रकाली कपालिनी।
दुर्गा क्षमा शिवा धात्री स्वाहा स्वधा नमोअस्तुते।।

श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा का मुखपत्र

राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक 2024

शारदीय नवरात्र एवं

असत्य पर सत्य

की विजय के पर्व विजयादशमी

पर आप सभी को

हार्दिक बधाई शुभकामनाएं

ज्ञानेन्द्र चतुर्वेदी

फ्लैट नंबर एच–502,
स्वर्ण रेसीडेंसी, 132 जीटी रोड
साहिबाबाद गाजियाबाद (उ.प्र.)
मो.: 9312242661

लोकेन्द्र नाथ चतुर्वेदी

301, टॉवर–17, गुलमोहर गार्डन,
राज नगर एक्सटेंशन
गाजियाबाद (उ.प्र.)
मो.: 9312221747

ग्राम पोस्ट – फरौली, जिला – कासगंज – 207245 (उ.प्र.)

(र.क्र. 2300) 3/12

शक्ति एवं आस्था के इस पावन उत्सव पर जगत पालनहार और
रक्षा अवतार माँ दुर्गा की कृपा आप सबपर निरंतर बनी रहे।
'रेखा गैस' आपके मंगलमय, स्वस्थ,
समृद्ध जीवन के लिए प्रार्थना करता है। जय माता दी।

रेखा गॅस
एजन्सी

दु. नं. 109, खान्देश मिल शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, जलगांव. 425001 फोन: (0257) 2221095,
2221195, 2225195, 2228495. | rekhagas20032003@rediffmail.com

malhar.org

(र.क्र. 2730)

चतुर्वेदी चन्द्रिका

अपनों से अपनी बात	7
संपादकीय	8
कार्यकारिणी बैठक	10
श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक	12
श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा के प्रकोष्ठों की घोषणा	16
समाज के रत्न	18
सार्वजनिक विनम्र अपील	21
हमारे लोक पर्व सांझी माता या चंदा तरैया	23
शक्ति अर्जन - नवरात्रि	24
हर समस्या का समाधान - सकारात्मक सोच	25
संपादक के नाम पत्र	28
शाखा समाचार	30
समाज समाचार	31
बिछड़े स्वजन	32

अंक 09
अक्टूबर 2024, वर्ष - 25

सभापति
श्रीमती ऊषा चतुर्वेदी
president@chaturvedimahasabha.in

सचिव
श्री शशांक चतुर्वेदी
मोबा. 9826086879

कोषाध्यक्ष
श्री ज्ञानेन्द्र चतुर्वेदी
मोबा. 9312242661

संपादक सलाहकार मंडल
डॉ. विनीता चौबे, भोपाल
डॉ. कुश चतुर्वेदी, इटावा
श्रीमती चित्रा चतुर्वेदी, भोपाल

संपादक
दिलीप सिकन्दरपुरिया, लखनऊ
पत्र व्यवहार का पता:
'चतुर्वेदी चंद्रिका', BM57, नेहरू नगर
करूणाधाम आश्रम के सामने, भोपाल
मोबा. 8707894349
ई- मेल :
sampadak.chaturvedichandrika@gmail.com

उपसंपादक
लोकेन्द्रनाथ चतुर्वेदी, गाजियाबाद

वेबसाइट : www.chaturvedimahasabha.in
मासिक पत्रिका चतुर्वेदी चंद्रिका में प्रकाशित लेखकों में व्यक्त विचार संबंधित लेखक के हैं। उनसे संपादक की सहमति होना आवश्यक नहीं है। सभी विवादों का निबटारा भोपाल अदालत में किया जायेगा।

श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा
: Account No. :
1006238340
: IFSC Code :
CBIN0283533
: Branch :
Central Bank of India
Anand Vihar, Delhi

SHREE MATHUR CHATURVED
10292296@cbin
BHIM UPI

पत्रिका पाँच वर्षीय तथा महासभा आजीवन सदस्यता शुल्क
1000 + 501 = 1501/-
महासभा सत्र + पत्रिका
वार्षिक सदस्यता शुल्क-
101+ 251 = 352/-

प्रकाशक : शशांक चतुर्वेदी, श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा के लिए स्पेसिफिक ऑफसेट, भोपाल से मुद्रित, संपादक : **दिलीप सिकन्दरपुरिया**
वितरण सहयोगी : विश्वास चतुर्वेदी - 8160686094

सभी सदस्यों को पत्रिका डाक द्वारा भेजी जाती है। पत्रिका न मिलने की दशा में पत्रिका कार्यालय की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा कार्यकारिणी समिति 2024–2027

ऋग्वेद
यजुर्वेद
सामवेद
अथर्ववेद

संरक्षक:- डा० सतीश जी(नागपुर), श्री भरत जी (पूर्व सभापति) भोपाल,श्री आर.आर.जी (पूर्व सभापति) मुम्बई, श्री कमलेश जी पाण्डे(पूर्व सभापति) नोएडा, डॉ. प्रदीप जी (पूर्व सभापति) दिल्ली, ले. जन. विष्णुकांत जी(नोएडा), श्री विकास जी (कानपुर), श्री संतोष जी चौबे (भोपाल), श्री देवेन्द्र जी चौबे (गोंदिया), श्री महेश जी (दिल्ली)।

परामर्शदाता मण्डल:- श्री अविनाश जी (कानपुर), श्री कैलाश जी(कासगंज), डॉ. ऋषभ जी (देहरादून), श्री उपेन्द्र जी पाण्डे (कोलकाता),श्री भरत कुमार जी (रिषड़ा),श्री शिव जी (कोटा), श्रीमती बीना जी मिश्रा (मैनपुरी/आगरा), डॉ. निखिल जी (आगरा)

सभापति:- श्रीमती ऊषा जी भोपाल

उप-सभापति:- श्री मुनीन्द्र नाथ जी (नोयडा), श्री पंकज जी (मुम्बई), श्रीमती आभा जी (नागपुर), डॉ. कुश जी (इटावा), श्री विनोद जी (गुरूग्राम), श्री सुमंत जी (आगरा), श्री अंशुमान जी (जयपुर)

सचिव:- श्री शशांक जी (भोपाल)

सह-सचिव:- श्री आशुतोष जी (कानपुर), श्री करूणेश जी (ग्वालियर), श्री गोविन्द जी (जयपुर), श्री अभयराज जी (गुरूग्राम), श्री मनीष जी (कोटा), श्रीमती बबीता जी (लखनऊ), श्री संजय जी (अहमदाबाद)

कोषाध्यक्ष:- श्री ज्ञानेन्द्र जी (साहिबाबाद)

सम्पादक:- श्री दिलीप सिंकदरपुरिया (लखनऊ), उप सम्पादक:- श्री लोकेन्द्र जी(गाजियाबाद)

मा. कार्यकारिणी सदस्य गण:- श्री दिलीप सिंकदरपुरिया (लखनऊ), डा० राकेश जी (मथुरा),श्री मनीष जी (हरदोई), श्री लोकेन्द्र जी (गाजियाबाद), श्री भुवनेश कुमार जी चौबे (गोंदिया), श्री अजय जी चौबे (भोपाल), श्री राकेश कुमार जी 'चुनचुन' (बरेली), श्री विशाल जी (आगरा), श्री राहुल जी (मैनपुरी) श्री प्रदीप जी 'संजू' (गाजियाबाद), श्री राजीव जी (अहमदाबाद), श्री विवेक जी (मुम्बई),श्री विपिन जी (लखनऊ), श्री मनीष जी (दिल्ली), श्री ललित जी (लखनऊ), श्रीमती विनीता जी (देहरादून), श्री कृष्ण बल्लभ जी (बिलासपुर), श्री संजय जी मिश्रा (कानपुर), श्री सुदीप जी (फिरोजाबाद), श्री अभिषेक जी (ग्वालियर), श्री आशीष जी 'रानू' (आगरा), श्री प्रवेश जी (कानपुर), श्री आशीष सुभाष जी (आगरा), श्री हर्षमोहन जी (आगरा), श्री आलोक जी (कोटा), श्री सतेन्द्र जी (नोयडा), श्रीमती चित्रा जी (भोपाल), श्री नवीन जी (जहांगीरपुर/लखनऊ), श्री सौरभ जी (लखनऊ), श्रीमती अंजू जी (मुम्बई), श्रीमती अर्चना जी (जयपुर), श्रीमती इंदु जी (नोयडा), श्री नवीन जी (चैन्नई), श्री हितेष जी (पुरा), श्री तनुज जी चौबे (नागपुर), श्री अरूण जी (जयपुर), श्री हर्ष कमल जी (बनारस), श्रीमती अलका जी (करनाल), श्री विमल जी (नोयडा), श्री मनोज जी (सागर), श्रीमती क्षमा जी (ग्वालियर), श्री प्रवेश जी (चांपा,छ0ग0), श्री कृष्णकांत जी (हैदराबाद), श्रीमती मीता जी (कानपुर), श्री अनुराग जी 'बब्बल' (आगरा), श्री मधुपम जी (मुम्बई), श्री धनेश जी (साहिबाबाद), श्री कैलाश जी(देवास), डॉ. मीनाक्ष जी (भोपाल), श्री मुकेश गिरीश जी पाण्डे (कोलकाता), श्री गगन जी (पुरा)

स्थाई आमंत्रित:- श्री मनोज जी (बैंगलोर) , श्री पदम जी (लखनऊ), श्री अशोक जी (फरीदाबाद), श्री गिरधारी जी (जयपुर), श्री कमलेश जी रावत (कोटा), श्री विपिन जी पाण्डे (गाजियाबाद), श्री राजेन्द्रनाथ जी (प्रयागराज), डॉ. अपूर्व जी (फिरोजाबाद), डॉ. कपिल जी (आगरा), श्री अनिल जी (भोपाल), श्री अरविंद जी (दिल्ली) , श्री दिनकर राव जी (फरौली)

विशेष आमंत्रित:- श्री मधुकर जी पाठक (आगरा), श्री नीरज जी (चक्रधरपुर), श्री कौशल जी (दिल्ली), श्री अम्बर जी पाण्डे (भोपाल), श्री साकेत जी (मैनपुरी), श्री दीपक जी (लखनऊ), श्रीमती तृप्ति जी (पटना), श्री अंकुर जी (कटनी), श्री शैलेन्द्र जी (उचाड़), श्री अनुराग जी 'टिंचू' (कानपुर), श्रीमती शिखा जी पाठक (थाणे), श्रीमती अमिता जी (लखनऊ), श्री उमेश जी (बुलंदशहर), श्री ललित जी (जयपुर/नोयडा), श्री श्यामलाल जी (भिण्ड), श्री आलोक जी (जयपुर), श्री संजय जी (लखनऊ),श्रीमती मधु जी (देहरादून), श्री धर्मेन्द्र जी (कानपुर), श्री मनीष जी (इटावा), श्री पीयूष जी (पूना), श्री जितेंद्र जी (पूना), श्री मधुर जी (बैंगलोर), श्री यदुवेश जी (पुरा/लखनऊ), श्री नवीन जी (बैंगलोर), श्री दिलीप जी (हरिद्वार), श्री शैलेन्द्र जी (फिरोजाबाद), श्री प्रवीण जी (हैदराबाद), श्री नीलकमल जी (कलकत्ता), श्री मुकेश जी (तरसोखर/रिसड़ा), श्री शैलेन्द्र जी (फरीदाबाद), श्री नरेश जी (भोपाल), श्री विश्वास जी (भोपाल), श्रीमती वंदना जी (रिसड़ा), श्री प्रशांत जी (मथुरा), श्री नरेन्द्र कुमार जी चौबे (ग्वालियर), श्री भूषण जी (साहिबाबाद), श्री दुर्गेश जी (जयपुर), श्री योगेन्द्रनाथ जी (ग्वालियर), श्री अनुराग जी (गुरूग्राम), श्री विशाल जी (दानपुर) श्री प्रवीण जी 'छौना'(फरौली), श्री लोकेन्द्र (कानपुर)

मूल निवास प्रकोष्ठ:- (1) श्री गगन जी (पुरा) संयोजक (2) श्री जय चतुर्वेदी नानू फरौली (3) श्री गोविन्द्र चतुर्वेदी (जहांगीरपुर) (4) श्री सौरभ "आशू" (पुरा) (5) श्री समर्थ (होलीपुरा) (7) श्री शैलेन्द्र (फरौली) (8) श्री मधुर (पुरा) (9) श्री धर्मेन्द्र चतुर्वेदी (पिनाहट)

शाखा सभा प्रकोष्ठ:- (1) ले. जनरल विष्णुकांत जी (नोयडा) (2) श्री विवेक जी (मुम्बई) (3) श्री अजय जी (लखनऊ) (4) श्री अजय जी तिवारी (ग्वालियर) (6) श्री सुनील जी (जयपुर) (7) श्री विनय जी (कोटा) (8) श्रीमती नितीका जी (गुरूग्राम) (9) श्री सुमंत जी (भोपाल) (10) श्री प्रदीप जी (गाजियाबाद) (11) श्री सुशील जी (फरीदाबाद) (12) श्री हरेश जी (आगरा) (13) श्री मुकेश जी (आगरा) (15) श्री संजय जी (अहमदाबाद) (16) श्री पंकज जी (हरदोई)

युवा प्रकोष्ठ:- (1) श्री मधुपम जी- मुम्बई (संयोजक) (2) श्री खगेश जी (कोलकता) सह-संयोजक (3) श्री नवीन जी (मथुरा) (4) श्री प्रमेन्द्र जी (ग्वालियर) (5) श्री आशीष जी (कोलकाता) (6) श्री नमन जी (फिरोजाबाद) (7) श्री सुनील जी (जयपुर) (8) श्री हेमंत जी (कोलकाता) (9) श्री नमन जी (लखनऊ) (10) श्री दिवस जी (लखनऊ) (11) श्री शशांक जी (जमुआ रामगढ़)

प्रवासी भारतीय प्रकोष्ठ:- (1) श्री विवेक जी-संयोजक (मम्बई)

चिकित्सा प्रकोष्ठ:- (3) डॉ. मीनाक्ष जी-संयोजक (भोपाल)

उद्यमिता प्रकोष्ठ:- (1) प्रसून जी (भुवनेश्वर)

महासभा कार्यालय: 405/406, चिरंजीव टावर नेहरू प्लेस, नई दिल्ली 110019

।। अपनों से अपनी बात।।

● उषा चतुर्वेदी
Email : president@chaturvedimahasabha.in

आदरणीय बंधुवर,/भगिनी
सादर पालागन

परिवर्तन से डरना और संघर्ष से कतराना
मनुष्य की सबसे बड़ी कायरता है
जीवन का सबसे बड़ा गुरु वक्त होता है
जो वो सिखाता है वो कोई नहीं सिखा सकता

दिल्ली में राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक 15 सितंबर को संपन्न हुई। सुंदर व्यवस्थाओं के लिए आदरणीय संरक्षक डॉक्टर प्रदीप चतुर्वेदी, आदरणीय महेश जी, चतुर्वेदी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सम्मानीय मुनींद्रनाथ जी, कोषाध्यक्ष सम्मानीय ज्ञानेंद्र चतुर्वेदी, सम्मानीय लोकेंद्र जी, सम्मानीय विमल जी, सम्मानीय मनीष जी को स्वयं अपनी ओर से और समस्त कार्यकारिणी की ओर से साधुवाद प्रेषित करती हूँ। पार्श्व से मौन रहकर प्रचार प्रसार से दूर आदरणीय त्रिभुवन नाथ जी का भी आभार। मैं अपने कोषाध्यक्ष ज्ञानेंद्र जी की भी आभारी हूं, कि वह अपनी बहन जिनका निधन 13 सितंबर को हो गया था। उसके पश्चात 14 सितंबर को कर्तव्य को प्राथमिकता देते हुए व्यवस्था में संलग्न रहे।

इस बार कार्य करने की बैठक के पूर्व स्थानीय बांधवों से सौजन्य भेंट और उनके महत्वपूर्ण सुझाव भी दिनांक 14 सितंबर की शाम को महासभा को प्राप्त हुए। और यह कार्य प्रत्येक राष्ट्रीय कार्यकारिणी के पूर्व करने का निश्चय भी किया है। ताकि अपने सभी बांधवों से तथा भगिनियों से भेंट हो जाए।

हमारे समाज के कुछ लोक पर्व हैं जिन्हें एक परंपरा के रूप में मनाया जाता रहा है। पितृ पक्ष में चंदा तरैया का पर्व हमारे समाज की अविवाहित कन्याओं द्वारा मनाया जाता था। यह पर्व प्रकृति और मानव के सामंजस्य को प्रदर्शित करता है और वर्तमान समय में तो और समसामायिक हो गया है। लेकिन तेजी से बढ़ता हुआ शहरीकरण, स्थान का अभाव आदि समस्याओं ने इसे पूरी तरह से भुला दिया। इसे पूर्व रूप में मनाया जाना संभव नहीं, शहरों में लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में हम इसे मना सकते हैं। आवश्यकता सिर्फ जानकारी की है। हमारी वरिष्ठ बहिन इसकी जानकारी उपलब्ध करा सकती हैं।

प्रथम कार्यकारिणी और द्वितीय कार्यकारिणी के बीच के समय में हमारे कार्यकारिणी सदस्य एवं अन्य बांधवों द्वारा महासभा की आजीवन सदस्यता का अभियान चलाया था। प्रसन्नता की बात है कि हमारे समाज ने महासभा के प्रति निष्ठा प्रदर्शित करते हुए 550 सदस्यों की श्री वृद्धि हुई। उन सभी का महासभा में स्वागत है एवं उन सभी का आभार भी व्यक्त करती हूं। जिन्होंने घर-घर जाकर सदस्य का कार्य किया। अन्नपूर्णा योजना का सफल संचालन हो रहा है। समाज अपनी सामर्थ के अनुसार धन राशि उपलब्ध करा रहा है। बैठक में अपील करने पर लगभग दो लाख रुपये एकत्र हुआ। हमारा समाज संपन्न है। दानदाताओं की कमी नहीं है। इस पुनीत कार्य के लिए दिल खोलकर दान दे। चतुर्वेदी चंद्रिका स्वावलंबी हो इसका आप लोगों से एक बार फिर से आग्रह एवं अपील है कि विज्ञापन देकर इसे स्वावलंबी बनाने में सहयोग करें। आगामी राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक मथुरा में प्रस्तावित है माह नवंबर में। कुछ प्रकोष्ठों की भी घोषणा हुई है। आशा है सभी प्रकोष्ठ समाज हित में कार्य करने के लिए संलग्न होंगे। हमारे समाज के बहुत से बंधु और भगिनी हमसे बिछड़ कर अनंत धाम की ओर चले गए उन सभी को मैं विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं।

जय समाज जय संगठन

संपादकीय

चतुर्वेदी चंद्रिका परिवार में सभी का हार्दिक अभिनन्दन, सप्रेम पालागन।

पालागन– पालागन हैं हमारी पहचान,ही हमारी जान इसके अलावा कुछ स्वीकार नहीं,ये गौरवशाली संदेश हमारे संरक्षक सतीश जी ने दिल्ली कार्यकारिणी मीटिंग को संबोधित करते हुए दिया।इस पर संरक्षक सर्वश्री भरत जी, त्रिभुवन (टी एन) जी, कमलेश जी,डॉ प्रदीप जी,चुन्ना जी, देवेन्द्र जी के साथ सभापति उषा जी, महामंत्री शशांक जी, कोषाध्यक्ष ज्ञानेंद्र जी के अलावा सदन में सभी ने तालियां बजाकर समर्थन दिया। उन्होंने अपने ओजस्वी सम्बोधन में विश्वास दिलाया कि हम सभी मिलकर समाज में जरुरतमंदों को स्टार्टअप, शिक्षा एवं स्वास्थ्य के लिए यथासंभव सहयोग एवं समर्थन करेंगे।

शनिवार को एन सी आर शाखा सभाओं की मीटिंग भी उपस्थिति एवं चर्चा से सफल रहीं, उसमें एक विद्वान ने अपने प्रेरणास्त्रोत संबोधन में महासभा एवं चंद्रिका के भविष्य पर ही सवाल उठाते हुए कहा कि महासभा तथा शाखा सभाओं में युवाओं की भागीदारी नहीं होती हैं। कुछ वक्ताओं ने उनसे असहमति व्यक्त करते हुए कहा वरिष्ठ लोगों का बहुमत हो सकता हैं, लेकिन वगैर युवाओं की सहभागिता के महासभा या शाखा सभाएं सौ साल से अधिक सक्रिय नहीं रह सकती है।आधुनिक युग में टेक्नो जेनरेशन भी प्रिंट मीडिया पर सक्रिय रहती है तभी चंद्रिका जैसी पत्रिकाओं की पीडीएफ एवं वेवसाईट संस्करण उपलब्ध होने के बाबजूद प्रिंट कापी की डिमांड अधिक है।

मीटिंग में सभापति उषा जी ने कार्यकारिणी सदस्यों को बधाई देते हुए बताया कि विगत दो माह में 550 नये महासभा सदस्य बने हैं,जोकि एक रिकॉर्ड उपलब्धि है। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि नये सदस्यों में 60% अधिक सदस्य 40 वर्ष से कम है जो युवा वर्ग की समाज एवं संगठन में सहभागिता दर्शाता है। उषा जी ने महासभा सदस्यता के साथ ही चंद्रिका की सदस्यता भी बढ़ाने का सघन प्रयास होने चाहिए। सदस्यों द्वारा चंद्रिका न मिलने की शिकायत करने पर सभापति ने कहा अब शहर तो फैलते जा रहें हैं, वहीं नये डाकिया आउट सोर्सिंग पर नियुक्त हो रहें हैं, जो कहीं भी डाक बांटते नहीं दिखाई देते, फिर भी कि हम आपकी शिकायत दूर करने का हर संभव प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया हमारे नये वितरण प्रभारी विश्वास जी के नेतृत्व में इस समस्या का भी हल निकलेगा। कोषाध्यक्ष ज्ञानेंद्र जी ने बताया कि रजि० पोस्ट से भेजने पर पत्रिका न मिलने की शिकायत प्रतिशत बहुत कम है। उन्होंने बताया महीने में 25 कार्य दिवस होते हैं, अर्थात एक रुपया प्रति दिन के हिसाब से साल के 300/ रुपए दे कर रजि० पोस्ट से चंद्रिका प्राप्त की जा सकती हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी सदस्य रजिस्टर पोस्ट से चंद्रिका मंगाने लगेंगे।

महासभा सदस्यता अभियान पर आपसी चर्चा में निराशा से कुछ नेअपने आपको FAIL बताया, कुछ ने कहा कि लोग No कहते हैं तो कुछ ने कहा अब तो अभियान का END है। उनसे हम कह सकते हैं जो लखनऊ विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र (एस.ए.सी) अहमदाबाद के निदेशक वैज्ञानिक नीलेश एम देसाई ने कहा कि फेल का मतलब –फर्स्ट अटेम्प्ट इन लर्निंग!नो का मतलब – नेक्स्ट अपार्चुनिटी!एंड का मतलब – एफर्ट नेवर डाई! अर्थात फेल,नो,एंड हमारे लिए प्रेरणास्रोत बन सकते हैं, यदि हम सकारात्मक सोच, संयम से लगातार प्रयास करते रहे तो हमें सफलता अवश्य मिलेगी।

महासभा के नये सभापति के नेतृत्व में आयोजित प्रथम कार्यकारिणी मीटिंग की सफलता पर सभी आगंतुको ने भूरि भूरि प्रशंसा करते हुए आव भगत, स्वागत, सुव्यवस्था एवं स्वादिष्ट भोजन के लिए ज्ञानेंद्र जी,राजू जी, मनीष जी,संजू जी की टीम की निष्ठा के साथ अथक परिश्रम एवं समर्पण के लिए हार्दिक धन्यवाद के साथ आभार प्रकट किया।

मंत्री शशांक जी ने मुंबई, लखनऊ, कानपुर के कार्यकारिणी सदस्यों द्वारा 100 से अधिक सदस्य बनाने पर बधाई देते हुए विश्वास प्रकट किया अन्य शहरों में भी अधिक सदस्य बनेंगे। शशांक जी ने अपने संयोजकत्व में आयोजित प्रथम कार्यकारिणी मीटिंग में सौ से अधिक सदस्यों की भागीदारी पर प्रसन्नता जताई। उन्होंने मीटिंग में सर्वाधिक संरक्षक सर्वश्री सतीश जी, टी एन जी, भरत जी, कमलेश जी, डॉ प्रदीप जी की उपस्थिति पर उनका आभार व्यक्त करते हुए अनुरोध किया कि भविष्य की मीटिंगों में भी सभी का आशीर्वाद एवं सहयोग मिलेगा। उन्होंने सतीश जी द्वारा अगली मीटिंग मथुरा में आयोजित करने की घोषणा का स्वागत करते हुए आभार प्रकट किया।

नवरात्र, विजयादशमी एवं शरद पूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएं!!

– **दिलीप सिकंदरपुरिया,** लखनऊ

कार्यकारिणी बैठक
15 सितम्बर 2024, दिल्ली

दिनाँक 14 एवं 15 सितंबर को श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की द्वितीय बैठक दिल्ली मेंआहुत की गयी। बैठक के प्रारम्भ में सर्वप्रथम मंच परसभापति श्रीमती ऊषा जी को सम्मान सहित मंचासीन कराया गया। तदुपरांत बैठक में पधारे सम्माननीय संरक्षक गण श्री सतीश जी,(नागपुर), श्री भरत जी (भोपाल), श्री विकास जी,चुन्ना भैया (कानपुर) श्री प्रदीप जी (नोएडा), श्री कमलेश जी (नोएडा) एवं श्री देवेंद्र चौबे जी (गोंदिया), व वरिष्ठ समाजसेवी श्री त्रिभुवन जी को मंचासीन कराया गया। महासभा के सचिव श्री शशांक जी (भोपाल), संपादक श्री दिलीप जी (लखनऊ), कोषाध्यक्ष श्री ज्ञानेंद्र जी (साहिबाबाद) को भी ससम्मान मंचासीन कराया गया। कार्यकारिणी एवं प्रकोष्ठ के संयोजक एवं शाखा सभा के अध्यक्षों का औपचारिक स्वागत सत्कार होने के उपरांत बैठक विधिवत दीप प्रज्ज्वलन व कुलदेवियों की फोटो पर माल्यार्पण के बाद एवं श्री विनोद जी एवं श्री लोकेंद्र जी (गाजियाबाद) द्वारा मंगलाचरण में प्रभु स्तुति की सुंदर प्रस्तुति के पश्चात कार्यवाही प्रारंभ की गई। सम्पूर्ण भारतवर्ष से पधारे कार्यकारिणी सदस्य व पदाधिकारीयों के अपना स्थान ग्रहण करने के बाद श्री मनीष जी (नई दिल्ली) ने स्वागत सत्र का संचालन प्रारम्भ किया। सितम्बर 2024 को दिल्ली के बांधवो द्वारा आयोजित बैठक का प्रारंभ होने के पर श्री प्रदीप जी ने दिल्ली एनसीआर की ओर से विभिन्न स्थानों से पधारे सभी कार्यकारिणी सदस्यों का अभिनंदन व स्वागत किया। इसके बाद कुछ सम्मानीय विभूतियों का सम्मान महासभा की परंपरा के अनुसार किया गया। उसमें सभी सम्मानित बंधुओं में सर्वश्री ब्रजकिशोर जी, श्री गोपाल कृष्ण जी, मेजर जनरल नीलेन्द्र जी, श्री देवेश जी, श्री कामेश्वर नाथ जी, श्री बाल कृष्ण जी, श्री नरेन्द्र नाथ जी को समाज रत्न सम्मान से सम्मानित कर अपनी परंपरा को कायम रखा। सचिव श्री शशांक जी ने विगत बैठक की कार्यवृत्त को सभी को अवगत कराया गया। जिसका सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया। तदुपरांत डॉ. प्रदीप जी ने महासभा की 2023-24 की बैलेंस सीट सभा सम्मुख प्रस्तुत की एवं सभी महत्वपूर्ण बिंदुओं को सभी को अवगत कराया। जिसका समस्त कार्यकारिणी ने करतल ध्वनि से अनुमोदन किया। उसके बाद विगत चुनाव से सम्बधित एक महत्वपूर्ण बिंदु संविधान के अनुसार प्रस्ताव डॉ.प्रदीप द्वारा प्रस्तुत किया गया। प्रस्ताव के अनुसार ₹ 2023-24 में संपन्न हुए चुनाव के मतपत्र जो अभी तक सुरक्षित रूप से महासभा के कार्यालय में रखे हुए हैं, को नष्ट करने हेतु रखा है। जिसे सर्वसम्मत से पारित किया गया। मत पत्रों को नष्ट करने से पूर्व वापस आए हुए 742 मत पत्रों को क्रमवार गणना कर उनको सूचीबद्ध कर ली जाए। तथा नियम के अंतर्गत श्री प्रदीप जी, श्री महेश जी श्री मुनीन्द्र जी की एक समिति गठित की गई जो इस कार्य को निष्पादन अपनी देखरेख में करेगी। उसके बाद जो मत पिछले चुनाव में पता परिवर्तन व अन्य कारणों से वापस आ गए थे, उनकी संशोधित एक सूची तैयार की जाएगी। जिससे इन सभी के शहरो के कार्यकारिणी सदस्य शीघ्र ही सभी का सही पता भेज कर उसे अभिलेखों में सही कराएंगे।

श्रीमती उषा जी सभापति ने महत्वपूर्ण बिंदु सदस्यता अभियान के निरंतर प्रगति पर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि विगत पिछले तीन माह में सदस्यता अभियान के अंतर्गत लगभग 550 आजीवन सदस्य संख्या बनाने का महत्वपूर्ण रिकॉर्ड महासभा द्वारा पूर्ण किया गया। जिसका सभी ने करतल ध्वनि से स्वागत किया। उन्होंने इस अभियान को निरंतर आगे बढ़ाने के लिए श्री आशुतोष जी,श्री संजय जी व कानपुर के सभी बांधव साथ ही मुम्बई के बांधव श्री मधुपम जी, श्री पंकज जी, श्रीमती तृप्ति जी (पटना), लखनऊ के श्री दिलीप जी, श्री सौरभ जी, श्री यदुवेश जी श्री मनीष जी, श्री अजय जी (लखनऊ) एवं अन्य बांधवों का आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि इस अभियान को अनवरत जारी रखा जाए। अगली बैठक इस संख्या को दोगुना किया जाए।

श्री ऋषभ जी (देहरादून) ने आवाहन किया कि हमारी समस्त कार्यकारिणी का प्रत्येक सदस्य सर्वप्रथम स्वयं अपने परिवार को आजीवन सदस्य बनने के बाद कम से कम पांच आजीवन सदस्य जोड़कर अपना दायित्व पूर्ण करें। श्री ज्ञानेंद्र जी कोषाअध्यक्ष द्वारा तत्परता के साथ भेजी गयी राशि की रसीद भेज कर कार्य पूर्ण करने एवं सुसज्जित क्रमशः सभी की सूची को तैयार करने के लिए। सभी कार्यकारिणी सदस्यों ने अपने स्थान से खड़े होकर के उनके कार्य निष्पादन के लिए अभिवादन किया।

कुछ बॉधवों ने इस सम्बन्ध में प्रश्न प्रस्तुत किया क्या? सदस्यता फॉर्म भरकर डिजिटल फॉर्म में दिया जा सकता है। जिस

पर ऊषा जी ने समाधान प्रस्तुत किया तकनीकी व विधिक कारणों के कारण बताया कि सदस्यता फार्म भौतिक रूप से ही भरकर आधार की कॉपी लगाकर फॉर्म के साथ देना अनिवार्य है। तभी उनकी सदस्यता को मान्यता मिलेगी

जिन बाँधवो की राशि तो उपलब्ध हो गई है। किंतु फॉर्म भौतिक सत्यापन के पश्चात महासभा को प्रस्तुत नहीं की गए तो उनकी सदस्यता तब तक नहीं मानी जाएगी तब तक कि वह फॉर्म प्रस्तुत न कर दें। इस अभियान को एक यज्ञ के रूप में चलाने के लिए एक समिति का गठन भी किया गया। जिसमें श्री आशुतोष जी (कानपुर) के संयोजन में श्री अंशुमान जी (जयपुर), श्री मधुपम जी (मुंबई), श्री मनीष जी (कोटा), लखनऊ से मनीष जी,दिलीप जी, अजय जी, ग्वालियर से श्री करुणेश जी,अभिषेक जी आदि रहेंगे।

देहरादून से पधारे श्री ऋषभ चतुर्वेदी जी ने प्रश्न रखा जिन संस्थाओं द्वारा उनके बैनर तले हो रहे कार्यक्रम में क्या महासभा के सदस्य सम्मिलित हो सकते हैं। आदरणीय सभापति ऊषा जी ने यह कहा कि हमारे समस्त कार्यकारिणी सदस्य किसी अन्य समानांतर सभा की बैनर तले किसी कार्यक्रम में सम्मिलित होने से अपने को रोकें। यदि समाज का कोई शहर मूवी कार्यक्रम होता है होली मिलन तीज का कार्यक्रम उसमें शहर से शामिल हो ।उसके बाद चर्चा में सदस्यों ने आधार कार्ड की कॉपी को देने के विकल्प का भी प्रस्ताव किया। जिस में चर्चा उपरांत बताया कि यदि किसी की आधार की कॉपी मिलने में कठिनाई हो तो अन्य कोई आईडी जिसमें उसका नाम और डेट ऑफ बर्थ इंगित हो दिया जा सकता है क्या? इस पर सभापति जी ने कहा की आधार की फोटो कॉपी के ऊपर यह लिखकर दिया जा सकता है कि महासभा की सदस्यता हेतु प्रयोग किया जाए।

कपिल जी (आगरा) ने बताया कि महासभा के अनेक पदाधिकारी व सदस्य अन्य संस्था की संवैधानिक कार्यक्रमों में हिस्सा ले रहे हैं जिस पर सभापति ने कहा की अन्य सभाओं के बैनर तले होने वाली बैठकों से अपने को दूर रखने की कोशिश करना चाहिए। उन बांधवों को कारण बताओं नोटिस प्रेषित किया जा चुका है। संविधान के अनुसार एक कमेटी गठित कर उसकी जांच की गई तथा अन्य संसाधनों से भी जानकारी प्राप्त की गई उसके प्रांत उनका कथन सत्य पाए जाने पर प्रकरण समाप्त कर दिया गया। अपने एक अन्य प्रश्न में बताया कि कुछ शहरों में एक से अधिक शाखा सभा कार्य कर रही हैं। सभापति जी ने सभी से आग्रह किया वह हस्तक्षेप करें दोनों के पदाधिकारी को एक साथ बैठाएं और यह मतभेद दूर करे। ऐसी जानकारी प्राप्त हुई है शाखा आपस में बात करने का प्रयास कर रहे हैं। संस्था को एक करें। महासभा की आवश्यकता होगी तो महासभा तैयार है। शीघ्र आपको सूचित किया जाएगा।

सभापति की अनुमति से अन्य विषयों पर चर्चा में श्रीमती बीना मिश्रा (आगरा), श्री ललित चतुर्वेदी (लखनऊ), श्री अभिषेक चतुर्वेदी (ग्वालियर), श्री संजय मिश्रा (कानपुर), श्री आशुतोष चतुर्वेदी (कानपुर) में भाग लिया।

कुछ सदस्यों ने अधिवेशन में संविधान में संशोधन होने के बाद उन बिंदुओं को सभी को अवगत कराने के लिए विचार प्रस्तुत किया। सभापति जी ने बताया वेबसाइट तैयार हो रही है शीघ्र ही आपको उपलब्ध हो जाएगी। संविधान की संशोधित कॉपी प्रिंट हो कर आने के बाद शीघ्र अवगत कराया जाएगा। आदरणीय सभापति जी ने अन्नपूर्णा योजना को एक अभियान के रूप में आगे बढ़ाने के लिए सभी से आग्रह किया। इसके संबंध में श्री दीपक जी ने कहा कि प्रत्येक कार्यकारिणी सदस्य 1000/- अन्नपूर्णा योजना के अंतर्गत यदि देता है, तो इस अन्नपूर्णा योजना को अनवरत चलाया जा सकता है। एक अच्छी रकम एकत्र की जा सकेगी। इसके लिए सभी से विनम्रता पूर्ण आवाहन किया गया। बैठक मैं शेष बचे हुए कुछ प्रकोष्ठों का गठन किया गय। अन्नपूर्णा योजना के अंतर्गत सभापति जी के एक आवाहन पर 1,50,000 रुपया तत्काल एकत्रित हो गया।अन्नपूर्णा सहायतार्थ सहयोग कृष्णकांत जी (होलीपुरा/लखनऊ)-12000, धर्मेंद्र जी,(पिनाहट) /2100,सुधीर जी,नोएडा-5100/-, श्रीमती छमा पुनीत चतुर्वेदी, ग्वालियर -2100/-, श्री नमन चतुर्वेदी -2100/-, श्री विनोद चतुर्वेदी गुरुग्राम -5100/-, दिवस चतुर्वेदी,लखनऊ द्वारा -5100/-, श्री रूपक चतुर्वेदी, लखनऊ द्वारा- 5100/-, स्व. लक्ष्मी नारायण ठाकुर की हवेली परिवार होलीपुरा की ओर से डॉ. मनोज चतुर्वेदी (ग्वालियर) द्वारा 12000/-, श्रीमती नीतिका अभय राज चतुर्वेदी (गुरुग्राम) द्वारा-2100/-, डॉ. मनीष चतुर्वेदी, कोटा -1100/- श्रीमती अमिता चतुर्वेदी नोएडा द्वारा -1100/-, श्री दीपक चतुर्वेदी, लखनऊ 1000/-, श्री पदम कुमार चतुर्वेदी 1000/-, डॉ. मनीष चतुर्वेदी, कोटा-1100/-आदि। साथ ही श्रीमती आभा सतीश जी (नागपुर) ने भी 25000/- देने की घोषणा की। श्री अजय जी (अध्यक्ष, लखनऊ मंडल) ने भी 21,000 देने की घोषणा की साथ ही मुम्बई ने भी एक लाख रुपये देने की घोषणा की।

श्री भरत जी संरक्षक ने अपने विचार प्रस्तुत करते हुए सभी से निवेदन किया की समाज में चल रही कुरीतियां सगाई समस्या व विवाहोत्तर समस्याओं को अपने ही तरीके से समाधान करें। उसके बाद श्री सतीश जी, श्री विकास जी चुन्ना कानपुर ने अपने-अपने विचार प्रस्तुत किये एवं सभी का आभार प्रकट किया। श्री ज्ञानेंद्र जी कोषाध्यक्ष ने सभी को अवगत कराया की आजीवन सदस्यता की सूचना/जानकारी को किस प्रकार लिखकर भेजें तथा फॉर्म के साथ भरकर भेजें। जिससे कि रसीद एवं लाइफ मेंबर नंबर आसानी से दिया जा सके। श्री संजय जी कानपुर में कहा की मैनपुरी

अधिवेशन के बाद बनाए गए चतुर्वेदी चंद्रिका के सदस्यों की एक सूची प्रकाशित की जाए। जिससे यह जानकारी हो सके की सदस्यता को 5 वर्ष पूर्ण कब हो रहे हैं, क्योंकि मैनपुरी अधिवेशन के बाद चतुर्वेदी चंद्रिका की सदस्यता केवल 5 वर्ष के लिए ही मान्य है। जिससे समाज में उठने वाले प्रश्नों पर विराम लग सके। सभापति जी ने अवगत कराया की जो आजीवन सदस्यता फॉर्म पूर्ण रूप से भरकर आएंगे उनको तीन लोगों की समिति में से किसी के पास भी भेज सकते हैं। समिति में श्री लोकेंद्र जी, श्री ज्ञानेंद्र जी (साहिबाबाद), श्री विश्वास जी व श्री शशांक जी (भोपाल) रहेंगे। ज्वालंत समस्या महासभा सूची में पता परिवर्तन के लिए अब भविष्य में सीधे डॉ. प्रदीप जी (नोएडा) संरक्षक एवं श्री ज्ञानेंद्र जी (साहिबाबाद)कोषाध्यक्ष को लिखित रूप से दे सकते हैं। चंद्रिका का पता परिवर्तन करने के लिए श्री शशांक जी को सीधे भेजा जा सकता है। इसमें भेजने वाले को पुराना पता एवं संशोधित होने वाले पते सदस्यता क्रमांक के साथ भेजना अनिवार्य है। इन समितियां को बनाने का के पीछे सिर्फ एक ही उद्देश्य है की जिससे कार्य का निष्पादन निर्विरोध पूर्ण किया जा सके। डॉ. कुश (इटावा) एवं अंशुमानजी (जयपुर) को उपाध्यक्ष के रूप में कार्यकारिणी में सम्मिलित करने पर सभी ने स्वागत किया। मूल निवासी प्रकोष्ठ में श्री गोविंद जी (जयपुर) कार्य देखेंगे एवं समस्त प्रकोष्ठों का संयोजन श्रीमती उषा जी (सभापति) एवं श्री शशांक जी (सचिव), श्री ज्ञानेंद्र जी (कोषाध्यक्ष) अपने मार्गदर्शन में करेंगे। सभापति जी ने समस्त प्रकोष्ठों के संयोजक एवं सदस्यों से अनुरोध किया की वे शीघ्र ही अपनी भविष्य की योजनाओं से उनको अवगत कराए। जिससे शीघ्र समस्त प्रकोष्ठ अपने-अपनी योजनाओं के क्रियान्वन के लिए एकजुट होकर लग जाए। इसी कड़ी में प्रवासी प्रकोष्ठ आईटी प्रकोष्ठ उद्यमिता प्रकोष्ठ का भी निर्माण किया गया। जिसमें सर्वश्री ज्ञानेंद्र जी आई.टी. व श्री प्रसून जी (भुवनेश्वर) एवं श्री अजय चौबे भोपाल उद्यमिता प्रकोष्ठ का कार्य देखेंगे। इसी कड़ी में बहु प्रतीक्षित महिला प्रकोष्ठ का भी गठन किया गया। जिसमें श्रीमती शिवांगी चतुर्वेदी, संयोजक,श्रीमती अनुपमा जी उप संयोजक व श्रीमती आभा चौबे नागपुर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रभारी रहेगी।महिलाओं के लिए विभिन्न प्रकार के आयोजन एवं उनकी भागीदारी को सुनिश्चित करेंगे। भविष्य में श्रीमती नीमा जी महिला प्रकोष्ठ की सदस्य, श्री लोकेंद्र जी (कानपुर) को विशेष आमंत्रित कार्यकारिणी का हिस्सा बना के लिए सभी कार्यकारणी से सहमति प्रदान की ।

इसके बाद कमलेश जी के संक्षिप्त उध्बोधन के बाद श्री सतीश जी संरक्षक ने विस्तृत रूप से अपनी भविष्य की कार्य योजनाओं के लिए अपनी ओजस्वी वाणी से सभी के मनोबल को ऊपर उठाया। उन्होंने कहा कि जल्द से जल्द कार्यकारी में अधिकांश महिला एवं युवाओं को स्थान दिया जाना चाहिए। श्री सतीश जी ने कहा की पालागन शब्द का कोई अन्य शब्द स्थान नहीं ले सकता। उन्होंने कहा की कोई कितना भी जतन कर ले, हमारे पूर्वजों की बनाई हुई महासभा जिसकी नीव हमारे बुजुर्गों ने बड़े ही जतन व परिश्रम से उन विपरीत परिस्थितियों में रखी हो। उसका कोई भी अन्य संस्था कुछ नही बिगाड़ सकती। उन्होंने सभी से आवाहन किया कि आप सभी निसंकोच निडर होकर के अपना कार्य करें। वह चुनाव हो या कुछ और सिर्फ महासभा में ही दिखाई देती है। जितने पारदर्शित तरीके से हम हमारा चुनाव होता है, चुनाव की प्रक्रिया होती है, सभी को सदस्य बनने के लिए समय से अवगत कराया जाता है। जिसके लिए अन्य समाज हमारा उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। जिन्होंने चारों वेदों को जीवंत रखा वह चतुर्वेदी कहलाए। हमें गर्व है अपने माथुर चतुर्वेदी समाज पर अपनी संस्कृति पर उन्होंने कहा आप सब अपनी ताकत को पहचानों। तुम सब हनुमान हो समाज को जोड़ने का काम अनवरत करते रहना। अपनी ताकत बढ़ाओ कभी भी हतोत्साहित नहीं होना। आपने अगली भव्य बैठक मथुरा में आयोजित होने करने की सूचना दी। उन्होंने कहा हमको अपने माथुर चतुर्वेदी परिवारों की जनगणना के माध्यम से अपनी कार्य योजना को आगे बढ़ाने के लिए सभी का दायित्व है। और उनकी मदद से इस एक लक्ष्य को पूर्ण किया जाए समाज के बच्चों को जॉब के लिए मार्ग प्रशस्त करना हमारी प्राथमिकता रहेगी। चेन्नई से आए श्री नवीन जी ने कहा समाज को आज के महंगाई के दौर में मेडिकल सुविधा के ऊपर भी एक कार्य योजना बननी चाहिए। जिसके अंतर्गत सभी को आकस्मिक मेडिकल सुविधा प्रदान की जा सके तथा युवाओं को जोड़ने के लिए भी महासभा को प्रयास करना चाहिए। उन्होंने आश्वासन दिया की चेन्नई में किसी भी प्रकार की ऐसी मजबूरी आने पर उनका योगदान सर्वप्रथम रहेगा। बैठक के अंत में सचिव श्री शशांक चतुर्वेदी ने सभी का आभार व्यक्त किया वह इस सुरुचि पूर्ण सुंदर व्यवस्था के लिए दिल्ली के आयोजन कर्ताओं डॉ.प्रदीप जी, श्री मुनीन्द्र जी, श्री ज्ञानेंद्र जी, श्री लोकेंद्र जी, श्री मनीष जी, श्री विमल जी का भी आभार व्यक्त किया गया।

बैठक के अंत में विगत बैठक से वर्तमान बैठक के बीच में दिवंगत सभी बांधवों को 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। इसके बाद बैठक आगामी बैठक अनिश्चितकाल तक के लिए स्थगित कर दी गई।

विवरण प्रस्तुति

शशांक चतुर्वेदी (सचिव)

आशुतोष चतुर्वेदी (सह-सचिव)

श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक

दिनांक 14 सितंबर

राष्ट्रीय राजधानी से संवाद

पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार दिनांक 14 सितंबर को शाम 4:00 बजे से एनसीआर के सभी स्वजनों से भेंट चर्चा एवं उनके साथ सहभोज का कार्यक्रम था। शाम 4:00 बजे से ही एनसीआर के बांधव और भगिनियों का आगमन शुरू हो गया। सभी ने बड़ी प्रसन्नता दिखाई क्योंकि प्रथम बार कार्यकारिणी पूर्व स्थानीय बंधुओ से चर्चा हेतु आमंत्रित किया गया था।

1–महासभा से उनकी क्या अपेक्षाएं हैं

2– महासभा से जुड़ी उनकी क्या? समस्याएं हैं उनके क्या सुझाव हैं? और उनका निदान।

3 नई पीढ़ी को महासभा से जोड़ने के लिए क्या सुझाव है।

सभागृह में एकत्रीकरण के पश्चात चतुर्वेदी समाज की कुल देवियां मां चरचिका एवं मां महाविद्या को नमन करते हुए कार्यक्रम प्रारंभ हुआ।

मंच पर सभापति श्रीमती उषा चतुर्वेदी संरक्षक श्री भरत चतुर्वेदी, डॉ. प्रदीप चतुर्वेदी एवं श्री सतीश चतुर्वेदी एवं श्री त्रिभुवन चतुर्वेदी उपस्थित थे।

सभापति जी का स्वागत करने के उपरांत। डॉ प्रदीप जी के स्वागत उद्बोधन के पश्चात सभापति जी का उद्बोधन हुआ।

मिलते रहिए सदा कुछ ना कुछ बहाने से
प्रेम और अपनत्व बढ़ता है दो पल साथ बिताने से।

सर्वप्रथम सभापति जी ने उपरोक्त दो पंक्तियां कहकर अपना संभाषण प्रारंभ किया तथा उपस्थित जन समूह को धन्यवाद दिया एवं आभार व्यक्त किया तथा सुझाव आमंत्रित किये गये।

कार्यक्रम में महिलाओं की भागीदारी भी रही तथा उनका उत्साह देखते ही बनता था। उन्होंने महासभा का धन्यवाद ज्ञापित किया। प्रथम बार संविधान संशोधन कर उन्हें राष्ट्रीय पदों पर आरक्षण प्रदान किया गया है। सभापति जी ने अपने उद्बोधन में कहा जो अवसर हमें प्राप्त हुआ है। उस अवसर का समुचित उपयोग कर महासभा को मजबूत बनाएं। महासभा के सदस्यता ग्रहण कर अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। तथा समाज के पारिवारिक विवाह विघटन समस्या के समाधान में अपना सक्रिय योगदान दें, ताकि विघटन को रोका जा सके।

महासभा द्वारा संचालित अन्नपूर्णा योजना एवं गुल्लक योजना के बारे में जानकारी देते हुए कहा आपका एक रूपया भी महासभा के लिए मूल्यवान है गुल्लक योजना में आप लोग अपना अवश्य योगदान दें। शादी के अवसर पर महाविद्या देवी एवं चर्चिका के लिए जो दान दिया जाता है उसे एकत्र कर महासभा को भेजने का कष्ट करें ताकि वह राशि उचित स्थान पर पहुंचाई जा सके। सभापति जी का आग्रह था आप नित्य कुछ ना कुछ राशि गुल्लक में डालें एवं एकत्र राशि को महासभा को भेज दें। चतुर्वेदी चंद्रिका के सदस्यों की संख्या भी बढ़ाने में योगदान दें। पत्रिका स्वावलंबी बने इसके लिए विज्ञापन प्रकाशित करने के लिए सहयोग दें।

सभा को आदरणीय संरक्षक भरत चतुर्वेदी, श्री सतीश चतुर्वेदी जी का ओजस्वी भाषण ने उपस्थित जन समूह में जोश भर दिया। जहां–जहां पर राष्ट्रीय बैठक आहूत की जाएगी वहां एक दिन पहले स्थानीय बांधवों से सौजन्य भेंट के लिए कार्यक्रम किए जाएंगे। कार्यक्रम के मध्य में स्वल्पाहार एवं कार्यक्रम के अंत में सह भोज का कार्यक्रम स्मरणीय रहा। शाम 4:00 बजे तक कार्यकारिणी एवं पदाधिकारी जो उपस्थित थे उन्होंने बैठक में भी सहभागिता की।

SHRI MATHUR CHATURVEDI MAHASABHA

Registered under Society Registration Act, 1860 in Agra
Registration No. 409/1919-1920
Registration Renewal No. R/AGR/01948/2021-2022 dt 10/10/2020

BALANCE SHEET AS AT 31st MARCH 2024

LIABILITIES	Current Year		ASSETS	Current Year	
Membership (Mahasabha) Corpus Fund			***Current Assets, Loan & Advances***		
(Life and Kul Kramagat)			Tax Deducted at Source	23,651	23,651
As per last Account	12,15,603				
Add : Corpus Received during the year	74,142				
	12,89,745		***Cash & Bank Balances***		
Less: Income Tax Refund	(18,875)	12,70,870	Cash In Hand	1,074	
			Central Bank of India - Delhi - S/B A/c	1,84,329	1,85,403
Membership Satra Fund					
(Annexure -I)		3,93,312	***Fixed Deposits***		
			Central Bank of India	38,68,373	
Other Kosh/ Funds			Accured Interest on FDR	73,511	39,41,884
(Annexure -II)		4,57,800			
Annapurna Fund					
(Annexure -III)		20,17,156			
Income & Expenditure Account					
(Annexure -IV)		-			
Current Liabilites					
Auditor Fee Payable		11,800			
Total		**41,50,938**	**Total**		**41,50,938**

For Shri Mathur Chaturvedi Mahasabha

President Usha Chaturvedi

Seceretary Muninder Chaturvedi

Treasurer Mahesh Chand Chaturvedi

Place: New Delhi
Date: 10-06-2024

As per our separate report of even date attached.
For Shiv & Associates
Chartered Accountant
Firm Registration Number 009989N

CA Manish Gupta
(Partner)
Membership No. 095518
UDIN 24095518BKAL EX4892

SHRI MATHUR CHATURVEDI MAHASABHA

Registered under Society Registration Act, 1860 in Agra
Registration No. 409/1919-1920
Registration Renewal No. R/AGR/01948/2021-2022 dt 10/10/2020

INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31st MARCH 2024

EXPENDITURE	Current Year		INCOME	Current Year	
To Expenses for Patrika			By Receipts for Patrika		
Magazine Printing Expenses	7,73,469		- Special Advertisement	5,06,700	
Magazine Distribution Expenses	44,000		- Special Help for Patrika	1,72,556	
Postage & Courier	50,652		- 5 Years Membership for Patrika	27,001	
		8,68,121			7,06,257
To Donations -			By Special Help		
- for Education	66,600		- for Annapoorna	9,57,722	
- for Annapoorna	7,26,000		- for Mahasabha	1,63,306	
- for Others	1,51,000	9,43,600	- for Mahavidya	8,247	
			- for Satra	42,016	11,71,291
To Auditor Remunartion		11,800			
To Bank Charges		1,552	By Interest Income		
To Election Expenses		1,85,024	-On FDR's	2,52,112	
To Annual Convocation Expenses		22,417	-On Saving Account	11,416	
To Conveyance Expenses		6,600			2,63,528
To Printing & Stationery		16,679			
To Excess of Income over Expenditure		85,283			
Total		**21,41,076**	**Total**		**21,41,076**

For Shri Mathur Chaturvedi Mahasabha

President Usha Chaturvedi

Seceretary Muninder Chaturvedi

Treasurer Mahesh Chand Chaturvedi

Place: Delhi
Date: 10-06-2024

As per our separate report of even date attached.
For Shiv & Associates
Chartered Accountant
FRN 009989N

CA Manish Gupta
(Partner)
Membership No. 095518
UDIN 24095518BKALEX4892

SHRI MATHUR CHATURVEDI MAHASABHA

Amount (Rs.)
Annexure-1

Membership Satra Fund

Particulars	Amount (Rs.)
Opening Balance as on 01.04.2023	**3,93,312**
Add: Fund Received during the year	42,016
Less: Fund Transfer to Income & Expenses	42,016
Balance at the end of the year 31.03.2024	**3,93,312**

Annexure-II

Other Kosh / Funds as at 31.03.2024

A	**Special Education Fund** As per last Account	51,800
B	**Kanya Chikitsha Kosh** As per last Account	1,00,000
C	**Malvidya Corpus Fund** As per last Account	85,000
D	**Mahila Sahitya Kosh** As per last Account	1,21,000
E	**Ayurvedic Study Corpus Fund** As per last Account	1,00,000
	Total	**4,57,800**

Annexure - III

Prepayment of Amount received for Annapoorna

Particulars	Amount (Rs.)
Opening Balance as on 01.04.2023	**23,40,325**
Add: Fund Received during the year	6,34,553
Less: Fund Transfer to Income & Expenses	9,57,722
Balance at the end of the year 31.03.2024	**20,17,156**

Annexure - IV

Income & Expenditure Account (Cr. Balance) as at 31.03.2024

As per last Account (Dr. Balance)	85,283
Less: Excess of Income over Expenditure	85,283
Net Excess of Expenditure over Income	-

श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा के प्रकोष्ठों की घोषणा

1– महिला प्रकोष्ठ

राष्ट्रीय प्रभारी श्रीमती आभा चतुर्वेदी नागपुर(राष्ट्रीय उपाध्यक्ष)
राष्ट्रीय संयोजक महिला प्रकोष्ठ
श्रीमती शिवांगी चतुर्वेदी भोपाल
उप संयोजक
श्रीमती अनुपमा चतुर्वेदी दिल्ली नोएडा
प्रकोष्ठ के सदस्य
1, श्रीमती नीमा चतुर्वेदी मुंबई
2 श्रीमती इंदु चतुर्वेदी नोएडा
3– श्रीमती ज्योत्सना चतुर्वेदी नोएडा
4– श्रीमती प्रीति ज्ञानेंद्र चतुर्वेदी साहिबाबाद
5 श्रीमती अंजू चतुर्वेदी मुंबई
6 श्रीमती तृप्ति चतुर्वेदी पटना
7 श्रीमती शिल्पी चतुर्वेदी कोलकाता
8 श्रीमती अनुपम चतुर्वेदी आगरा
9, श्रीमती मंजुल चतुर्वेदी फरीदाबाद
10– श्रीमती नीतिका चतुर्वेदी गुरुग्राम
11– श्रीमती नीलू चतुर्वेदी कानपुर
12 श्रीमती आभा चतुर्वेदी कानपुर।
13 श्रीमती प्राची चतुर्वेदी कानपुर
14 श्रीमती अमिता चतुर्वेदी लखनऊ
15 श्रीमती सुचित्रा दिलीप चतुर्वेदी लखनऊ
16 श्रीमती क्षमा चतुर्वेदी ग्वालियर
17 श्रीमती संध्या चतुर्वेदी ग्वालियर
18 श्रीमती पदम रेखा चतुर्वेदी भोपाल
19 श्रीमती शिवानी नोएडा
20 श्रीमती अंजना विश्वास चतुर्वेदी भोपाल।
21, श्रीमती मंजूषा चतुर्वेदी अहमदाबाद गुजरात

2 उद्यमिता प्रकोष्ठ

राष्ट्रीय प्रभारी श्री विनोद जी गुरुग्राम राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
श्री प्रसून चतुर्वेदी भुवनेश्वर संयोजक
श्री अजय चौबे भोपाल उप संयोजक।

3 – चिकित्सा प्रकोष्ठ

राष्ट्रीय प्रभारी डॉ अंशुमान चतुर्वेदी जयपुर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
डॉ मीनाक्ष चतुर्वेदी भोपाल
1 उप संयोजक। डॉक्टर रचना चतुर्वेदी
एमबीबीएस। एमडी मुंबई
2 डॉ अशोक चतुर्वेदी एमबीबीएस। एमएस लखनऊ
3– डॉक्टर श्रीमती निमिषा चतुर्वेदी बी डी एस । एमडीएस भोपाल
4 डा ब्रह्ममेष चतुर्वेदी एमबीबीएस । एमडी बनारस

प्रवासी चतुर्वेदी प्रकोष्ठ

संयोजक –श्री विवेक चतुर्वेदी मुंबई
उप संयोजक–
श्रीमती नीलम राहुल चतुर्वेदी, यूएसए।
2– श्रीमती मोनिका तुषार चतुर्वेदी, लन्दन
3 श्रीमती सौम्या ऋतुराज चतुर्वेदी, लंदन
4 श्रीमती ज्योति चतुर्वेदी, यूएसए

आईटी प्रकोष्ठ

श्री ज्ञानेंद्र चतुर्वेदी साहिबाबाद

शाखा सभा प्रकोष्ठ

राष्ट्रीय प्रभारी श्री शशांक चतुर्वेदी सचिव भोपाल
संयोजक श्री लोकेंद्र चतुर्वेदी साहिबाबाद
ग्रामीण मूल निवासी प्रकोष्ठ
राष्ट्रीय प्रभारी श्री गोविंद चतुर्वेदी
(संपूर्ण प्रकोष्ठ की घोषणा पूर्व में की जा चुकी है)

सदस्यता फार्म एकत्रीकरण समिति

श्री शशांक चतुर्वेदी भोपाल
श्री विश्वास चतुर्वेदी भोपाल
श्री ज्ञानेंद्र चतुर्वेदी साहिबाबाद
श्री लोकेंद्र चतुर्वेदी साहिबाबाद

सदस्यता प्रगति समिति

श्री अंशुमान चतुर्वेदी जयपुर
श्री आशुतोष चतुर्वेदी कानपुर
श्री करुणेश चतुर्वेदी ग्वालियर
श्री अभय राज चतुर्वेदी गुरुग्राम
श्री संजय चतुर्वेदी अहमदाबाद
श्री मनीष चतुर्वेदी कोटा

विशेष

संपूर्ण प्रकोष्ठों का संयोजन सभापति श्रीमती उषा चतुर्वेदी सचिव शशांक चतुर्वेदी एवं कोषाध्यक्ष ज्ञानेंद्र चतुर्वेदी विज्ञापन का संयोजन संपादक श्री करेंगे। विज्ञापन के बारे में इन्हीं से संपर्क किया जाए। प्रकोष्ठों की बैठक प्रत्येक 6 माह में होगी। शाखा सभाओं के समस्त अध्यक्षों से एवं कार्य करणी से ऑनलाइन मीटिंग होगी।

युवा प्रकोष्ठ

राष्ट्रीय प्रभारी श्री पंकज चतुर्वेदी मुंबई
(शेष घोषणा पूर्व में की जा चुकी है)

श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा के 16 जून 2024 के अधिवेशन में पारित संविधान संशोधन

धारा ६ (अ) (२)

अधिकतम ५ के स्थान पर ११

धारा ६(स) (१) महासभा की कार्यकारिणी या किसी प्रकोष्ठ में १० वर्ष तक क्रियाशील बांधवों के साथ एक मार्ग दर्शक मण्डल का गठन होगा।

(२) मार्गदर्शन मण्डल में अधिकतम २१ सदस्य होंगे ।

(३) मार्गदर्शक मंडल के सदस्य अपने अनुभवों के आधार समाज की प्रगति तथा आपसी सौहार्द के लिए साझा करेंगे।

(४) मार्ग दर्शक मंडल के सदस्य महासभा की कार्यकारिणी बैठकों में आमन्त्रित किए जाएँगे।

धारा 8(ख)

तृतीय पैरा : महासभा की सदस्यता के लिए नये आवेदन कर्ताओं तथा पुराने सदस्यों को भी १६ जून २०२४ को अधिवेशन में स्वीकृत नया सदस्यता प्रपत्र को भर कर देना होगा ।

सदस्यता की अपात्रता :– (६) जो भी बांधव किसी भी अन्य माथुर चतुर्वेदी संस्था का सदस्य हो।

(७) जिसने महासभा का इस अधिवेशन मैं जारी किया गया सदस्यता प्रपत्र जमा न किया हो।

(8) निरस्त

धारा १० महासभा के पदाधिकारी

२– अप सभापति ४ के स्थान पर ८

४– सहमंत्री ४ के स्थान पर ८

स्पष्टीकरण – (२) अप सभापति तथा सह मंत्री का एक एक पद महिलाओं के लिए आरक्षित होगा।

धारा ११ (४) सभापति पद की अर्हताएँ

(अ) कम से कम दस वर्षों से महासभा का कुल क्रमागत अथवा आजीवन सदस्य हो।

(ब) महासभा से सम्बद्ध शाखा सभा में कम से कम ३(तीन) वर्षों तक निरंतर कार्यकारिणी सदस्य/ पदाधिकारी रहा हो या महासभा की कार्यकारिणी मैं कम से कम पूरे एक सत्र तक सदस्य/पदाधिकारी रहा हो।

नीचे के पंक्तियों के क्रमांक परिवर्तित होकर (स) (द) (य) हो जाएँगे तथा

(र) जो व्यक्ति किसी भी अन्य माथुर चतुर्वेदी संस्था का सदस्य न हो। धारा ११(५–अ) नामांकन

(४) सभापति पद के प्रत्याशी को अपने नामांकन प्रपत्र के साथ रुपये ५१,००० की अप्रतिदेय (नॉन रिफंडेबल) जमानत राशि महासभा के खाते में ड्राफ्ट या पे ऑर्डर के साथ जमा कराना होगा।

धारा ११(६) मतपत्र

६(१) मतपत्र की सुरक्षा के लिए चुनाव समिति स्वाविवेक से मतपत्र में यथोचित सुरक्षा उपाय किए जाएँगे, जैसे hologram , UV , विशेष स्याही से हस्ताक्षर आदि ।

धारा १२ कार्यकारिणी समिति

प्रथम पंक्ति में 75 सदस्यीय कार्यकारिणी में १० स्थान महिलाओं के लिए आरक्षित होंगे ।

६(२) चतुर्वेदी चंद्रिका के संपादक को कार्यकारीं सदस्य के रूप में नामित किया जाएगा।

धारा १२(२) कार्यकारिणी

समिति के नियम

(४) तीसरी पंक्ति – आदि के अतिरिक्त आवश्यकतानुसार प्रतिवर्ष व्यय कर सकती है ।

(१५) तीसरी पंक्ति – प्रबंध पर विचार कर सकेगी।

धारा १४ शाखा सभाएँ

(२) ५५१/– रुपये संबद्धता शुल्क (प्रति सत्र) देना होगा।

नया – मूल निवास प्रकोष्ठ – जो भी बांधव हमारे मूल गाँवों में वर्तमान रह है उन के सहयोग के लिए इस का विशेष रूप से गठन किया जाएगा। इस प्रकोष्ठ में केवल वो ही सदस्य होंगे जो आज भी हमारे मूल ग्राम में रह रहे हैं।

शाखा सभा प्रकोष्ठ : शाखा सभाओं के प्रतिनिधि सभापति इस के सदस्य होंगे। शाखा सभा प्रकोष्ठ महासभा प्रस्तावित कार्यक्रमों का क्रियान्वयन करेगा।

शाखा सभा यह सुनिश्चित करेंगे कि महासभा की नीतियों के विरुद्ध कोई कार्यक्रम या कार्य न किया जाय।

प्रवासी प्रकोष्ठ : महासभा के कार्यक्रम तथा नीतियों को समाज के बांधवों के मध्य प्रचार करेगा तथा विश्व भर के समस्त चतुर्वेदी बांधवों से संपर्क सूत्र का काम करेगा।

धारा १८ महासभा के कोष

१८(२) दूसरा परा ६वीं पंक्ति

प्रतिदिन के खर्च के लिए कोषाध्यक्ष रुपये १५,००० की जगह रुपये २५, ००० नगद रख सकेंगे।

१८(३) महासभा के द्वारा जमा सावधि राशि (FD) से द्वारा अर्जित आय का २५% हिस्सा सभापति पद के लिए चुनाव के व्यय के लिए महासभा द्वारा संचालित खाते में एक अलग मद में जमा किया जाएगा।

समाज के रत्न

श्री नरेंद्र नाथ चतुर्वेदी (पिनाहट/गुरुग्राम)

9 जून 1939 को जन्मे श्री नरेंद्र चतुर्वेदी जी की प्रारंभिक शिक्षा लखनऊ में हुई। आपके पिता स्वर्गीय श्री छोटेलाल जी चतुर्वेदी ने लखनऊ समाज की सेवा में अमूल्य योगदान दिया है। अपने स्वयं के एकल प्रयासों से बांधवों के लिए तमाम साधन उपलब्ध करवाये। आपने अपने कठिन परिश्रम से सेवानिवृत्ति से एक वर्ष पूर्व बहुराष्ट्रीय कंपनी बूस्ट इंडिया के सेल्स एवं मार्केटिंग हेड पद पर कार्य किया। आपकी पुत्रवधू श्रीमती प्रियंका चतुर्वेदी चतुर्वेदी समाज की राज्यसभा की प्रथम महिला सांसद है महासभा उनकी शतायु की कामना करती है तथा उनके द्वारा समाज के लिए की गई समाज सेवा के लिए सम्मानित कर गौरवान्वित महसूस करती है।

***

श्री गोपाल कृष्ण चतुर्वेदी (मैनपुरी/नोएडा)

24 जनवरी 1951 को जन्मे श्री गोपाल कृष्ण चतुर्वेदी जी की प्रारंभिक शिक्षा फर्रुखाबाद में हुई।आपने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से अपने बी.ए. तथा एम. ए. की परीक्षा उत्तीर्ण की। एल.एल.बी. की परीक्षा पास करके वर्ष 1975 बैच के अंतर्गत आपका चयन उत्तर प्रदेश न्यायिक सेवा में हुआ। तमाम जिलों में विभिन्न पदों को स्वभय मां करते हुए आप इलाहाबाद हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार के पद तक पहुंचे। वहां से आप रेलवे क्लेम ट्रिब्यूनल के वाइस चेयरमैन तथा अंत में ट्रिब्यूनल के अध्यक्ष पद से सेवानिवृत्त हुए। आप अपील अथॉरिटी ऑफ इंस्टिट्यूट फाइनेंस एंड रिकंस्ट्रक्शन के बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में भी रहे। अपने भ्रमण के लिए तमाम देशों की यात्राएं की है। आपकी एक बेटा राजस्थान प्रशासन में

आई.ए.एस. अधिकारी तथा दूसरा बेटा सिंगापुर में एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में सीनियर पद पर पदस्थ है। श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा के वर्ष 2023-2024 में आयोजित सभापति पद के चुनाव का सफलतम संचालन आपके नेतृत्व में सकुशल संपन्न हुआ। आप रेलवे क्लेम एंड ट्रिब्यूनल के अध्यक्ष पद को सुशोभित करने वाले समाज के प्रथम व्यक्ति है समाज आपको सम्मानित कर स्वयं को गौरांवित महसूस करता है।

***

डॉ. कामेश्वर नाथ चतुर्वेदी (बटेश्वर/नोएडा)

1 जनवरी 1948 को जन्मे डॉ. कामेश्वर नाथ जी (प्रयागराज) में रहते हुए आपने एल.एल.बी. की परीक्षा तथा 1970 में एल.एल.एम. की परीक्षा उत्तीर्ण की। तदुपरांत पुणे विश्वविद्यालय में टैक्सेशन डिपार्टमेंट में रीडर के पद पर रहे अपने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से टैक्सेशन ऑफ चैरिटेबल ट्रस्ट; पर्सपेक्टिव एंड प्रपोजल्स का रिफॉर्म्स इन लॉ पर एचडी तथा इस विश्वविद्यालय में आपको 2007 में स्टेटस का एल्यूमिनी डिस्टिंक्शन से सम्मानित किया गया। 1988 में आपने इंडियन लीगल सर्विस ज्वाइन की तथा वहां से निरंतर ऊंचाइयों को हासिल करते हुए 17 लॉ कमीशन के सदस्य सचिन और बाद में सचिन लेजिसलेटिव विभाग मिनिस्टर ऑफ लॉ और जज के पद से सेवानिवृत हुए। आपने 2008 से तमाम शासकीय व प्राइवेट संस्थानों में कानूनी सलाहकार के रूप में काम किया है। अपने 2015 से 2018 के मध्य लेजिस्लेटिव ड्राफ्टिंग के लिए

आयोजित इंटरनेशनल ट्रेंनिंग प्रोग्राम में कोर्स डायरेक्टर के पद पर शोभायमान रहे। आपके द्वारा इनकम टैक्स लॉ ए क्रिटिकल एनालिसिस स्टेट्यूटरी लो और जस्टिस तथा 2024 में टैक्सिंग स्टेटस का विमोचन किया गया है चतुर्वेदी समाज से आप प्रथम सेक्रेटरी लेजिसलेटिव मिनिस्ट्री आफ लॉ के पद को शोभायमान करने के लिए समाज रत्न से सम्मानित कर गौरान्वित अनुभव करता है तथा कुशलता की कामना करता है।

***

श्री बाल कृष्ण जी चतुर्वेदी (इटावा/नोएडा)

पद्म भूषण से सम्मानित आदरणीय श्री बाल कृष्ण चतुर्वेदी जी का जन्म 9 जुलाई 1944 को इटावा के प्रसिद्ध परिवार में हुआ।

आप ने एम.एस.सी. (फिजिक्स), एलेक्स्ट्रॉनिक्स में विशेष योग्यता के साथ इलाहाबाद विश्वविद्यालय से किया तथा पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन में पदाई मैनचेस्टर विश्वविद्यालय से की। आपने अपने करियर की शुरुआत इंजीनियरिंग कॉलेज में फिजिक्स विभाग में प्राध्यापक के रूप में की । आपके शोध के प्रस्तुत पेपर मैक्सवेव डिसटीब्यूशन लॉ, अमेरिका में फिजिक्स के जनरल में किया गया।

1966 में IAS में चयन के उपरांत, उत्तर प्रदेश में आज़मगढ़ जनपद में ज़िला कलेक्टर के रूप में विकास के लिए विशेष सम्मान प्राप्त किया । आप ने तमाम पब्लिक सेक्टर इकाई के बोर्ड ऑफ़ मैनेजमेंट के सदस्य रहे। आप ने विश्व के बहुत देशों की यात्रायें भारत सरकार के प्रतिनिधि के रूप में की है। लंबे समय तक मंत्रिमंडल सचिव में नियुक्ति के पूर्व आप पेट्रोलियम सचिव रहे थे । उस के बाद नीति आयोग तथा वर्तमान में आप सब से ज़्यादा प्रसिद्धि दिल्ली पब्लिक स्कूल सोसाइटी के चेयरमैन है । आप की पत्नी डॉ. विभा जी भी देहली विश्वविद्यालय में विभागाध्यक्ष थी। आप समाज के प्रथम व्यक्ति है जिन्होंने भारत सरकार में सर्वोच्च प्रशासनिक पद को सुशोभित किया है। आप को सम्मान रत्न से सम्मानित कर के समाज अपने आप को गौरान्वित अनुभव करता है।

***

मेजर जनरल श्री नीलेन्द्र कुमार चतुर्वेदी (कछपुरा/नोएडा)

श्री नीलेन्द्र कुमार चतुर्वेदी की प्रारंभिक शिक्षा लखनऊ में हुई। आपको एनडीए से इंडियन आर्मी में 1967 में कमीशन मिला तथा 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध तथा आपने बांग्लादेश मुक्ति संग्राम में हिस्सा लिया। वर्ष 1982 में आपका स्थानांतरण जज एडवोकेट जनरल ब्रांच में हो गया और आप ब्रांच के शिखर तक पहुंच कर 2001 से 2008 तक जज एडवोकेट जनरल पदस्थ रहे। सेना में सेवा के दौरान आपको वी.एस.एम. (VSM) तथा ए.वी.एस.एम. (AVSM) से सम्मानित किया गया। 2009 से 2016 के मध्य आर्मी लॉ स्कूल के मुखिया के रूप में अपने सेवायें दी। इसके अलावा वर्तमान में आप इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ मिलिट्री लो तथा लॉ ऑफ़ वॉर के निर्देशक हैं और इंडियन सोसाइटी ऑफ इंटरनेशनल लॉ के कार्यवाहक अध्यक्ष भी हैं। आप वर्तमान में अखिल भारतीय विधि प्राध्यापक संगम के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। आप वर्तमान में अपने लेक्स काउंसिल फाउंडेशन के माध्यम से यूट्यूब पर बहुत पॉप्युलर है तथा रोचक कार्यक्रम व साक्षात्कार आयोजित करते रहते हैं। चतुर्वेदी समाज आपके द्वारा जज एडवोकेट जनरल के पद को स्वभय मन करने के लिए समाज रत्न सम्मान से सम्मानित कर गौरवान्वित अनुभव करता है।

***

Dr. Devesh Chaturvedi (Etawah /Delhi)

Born on 15 .02.1966 ,Dr. Devesh Chaturvedi is 1989 Batch, IAS officer of UP Cadre. He did his M Tech and PGDPM from IIT and did Ph.D also .He is known for hard work and a dedication to the services . Shri Devesh ji comes from renowned family of Etawah.

2. Dr. Devesh Chaturvedi, has worked on many important positions in UP Govt. and as well as District Magistrate and Collector M of Phithoragarh, Deoria, Bulandshahar , Gorkahpur, Prayag Raj , and also as Commissioner Azamgarh and Lucknow. He also served in Ministry of Tourism , Govt of India as Additional Director General and also as Joint Secretary in Ministry of Agriculture and Farmer Welfare , Government of India . He has visited number of countries in his official capacity.

3. On 12.08.2024 , Dr Devesh Chaturvedi is appointed as Secretary in the same department and now will be responsible for all the policies related to agriculture and farmers – the back bone of India's economy.

4. He is first officer from Chaturvedi community appointed as Secretary of a very important department. Our community is proud on his appointment as Secretary Government of India and honour him with Samaj Ratn Samman on behalf of Shri Mathur Charturvedi Mahasabha on the occasion of its Karyakarini meeting at Delhi on 15 Sept ., 2024.

***

श्री बृज किशोर चतुर्वेदी (जहाँगीरपुर /नोएडा)

९० वर्षीय श्री बृज किशोर चतुर्वेदी ६५ वर्ष के अनुभव के एक प्रतिमूर्ति है।अपने भाइयों में सब से बड़े होने के नाते पूरे परिवार को एक अग्रज का पूरा निर्वाह किया। अपनी शिक्षा पूरी करने के बाद आप ने चाय बागान के प्रबंधन जैसे दुरूह कार्य को चुना। इस कार्य को सफलतापूर्वक निर्वाह करते हुए आप एक महत्वपूर्ण चाय बगानों के ग्रुप हेड बने तथा इस उत्तरदायित्व को बहुत ही सुंदर तरीक़े से पूर्ण किया। सेवा निवृति के बाद आप कोलकत्ता आ गये। समाज सेवा के लगन के कारण वहाँ कोलकाता चतुर्वेदी समाज के सभापति चुने गये तथा तथा कई प्रयास लाई समाज के लाभ के लिए । आप अभी भी समाज के सभी कार्यक्रमों में बड़े उत्साह के साथ शामिल होते रहे है। आप को समाज रत्न से सम्मानित कर समाज अपने आपको गौरान्वित अनुभव करता है तथा आप के शतायु होने की ईश्वर से प्रार्थना करता है।

सार्वजनिक विनम्र अपील
22.09.2024

सम्मानीय बन्धुवर/बहिन जी
सादर पालागन

सजातीय बान्धवों को एक सांकेतिक सहयोग राशि रु २४००० वार्षिक (रु २०००/ – प्रति माह के अनुसार) से विगत कई वर्षों से श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा द्वारा समाजहित के लिए, बांधवों के अमूल्य सहयोग से अन्नपूर्णा एवं छात्रवृत्ति सहायता अपने ही समाज के 41 परिवारों के मध्य प्रदान की जा रही है। वर्तमान में यह सहायता राशि त्रैमासिक अप्रैल, जुलाई,अक्टूबर तथा जनवरी के प्रथम सप्ताह सीधे उनके बैंक खाते हस्तांतरित की जा रही है । वित्तीय वर्ष २०२४–२५ की प्रथम तथा द्वितीय तिमाही की सहयोग राशि Rs. 2,56,200/– दो बार लाभार्थियों के – बैंक खातों मैं सीधे भेजी जा चुकी है ।

सहयोग देने वाले बांधवों के नाम तथा उन के द्वारा प्रदत्त सहयोग राशि :–

1. स्व. बाबू ओंकारनाथ चतुर्वेदी (होलीपुरा) की स्मृति में Rs. 12,000/– और स्वर्गीय प्रभात चतुर्वेदी (इटावा) की स्मृति में Rs.12,000/– द्वारा विकास चतुर्वेदी @चुन्ना भैया , संरक्षक , श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा एवं संयोजक – बाबू ओंकारनाथ चतुर्वेदी धर्मशाला समिति द्वारा – Rs 24,000/–
2. जन. श्री अजय कुमार चतुर्वेदी द्वारा रुपये2100/–
3. अपने पौत्र चि ईशान के जन्म दिन (१४ मार्च) के उपलक्ष्य में श्री पदम कुमार जी चतुर्वेदी (तरसोख़र/लखनऊ) द्वारा रुपये – 5000/–
4. अपनी पौत्री कु धनिष्का पुत्री श्री अभिषेक जी (सिंगापुर) के जन्म दिन के उपलक्ष्य में श्री अनिल जी तथा श्रीमती मधुबाला चतुर्वेदी (रोहिणी /दिल्ली) द्वारा – 11000/–
5. सुश्री नलिनी चतुर्वेदी (मैनपुरी/आगरा) राजकीय सेवा में प्रवक्ता के पद से ३१ मार्च २०२४ को सफलता पूर्वक सेवानिर्वत होने के उपलक्ष्य में – रुपये11,000/–
6. अपनी पौत्री के जन्मदिन के उपलक्ष्य में श्री पंकज जी, लखनऊ द्वारा – Rs . 2400/–
7. श्री दिलीप सिकंदरपुरिया (लखनऊ) द्वारा – Rs,2100/–
8. श्री लोकनाथ जी (लखनऊ) द्वारा Rs.1000/–
9. श्री दीपक जी लखनऊ द्वारा Rs. 5000/–
10. श्री अविनाश जी (होलीपुरा/ कानपुर) Rs–12,000/–
11. आनंद सिंह चतुर्वेदी परिवार (होलीपुरा) की ओर से – (श्री भरत जी (रिषड़ा/होलीपुरा) द्वारा – Rs 25,000/–
12. अपने नाना स्वर्गीय श्री धर्म नारायण चौबे (होलीपुरा) एवं नानी स्वर्गीय श्रीमती रंगो देवी चतुर्वेदी की स्मृति में सौरभ चतुर्वेदी सुपुत्र कैप्टन डॉ प्रवीण चंद्र चतुर्वेदी (मैनपुरी/आगरा) द्वारा 25,000/–
13. अपने पिता स्वर्गीय श्री मोतीलाल चतुर्वेदी (मुख़त्यार साहब) तथा माता स्वर्गीय श्रीमती रूपो देवी चतुर्वेदी की स्मृति में कैप्टन डॉ प्रवीण चंद्र चतुर्वेदी (मैनपुरी/आगरा) द्वारा 25,000/–
14. अपने पुत्र चि आयुष के Redbul Energy (MNC) में area manager दिल्ली NCR के पद पर पदोन्नति के उपलक्ष्य मैं श्री मनोज जी चतुर्वेदी (सागर) द्वारा Rs. 5000/–
15. डॉ मनीष चतुर्वेदी (कोटा) पूर्व राष्ट्रीय संयोजक युवा प्रकोष्ठ द्वारा Rs. 24,000/–
16. समाज रत्न स्व0 खरगराम जी की पावन स्मृति में , उन के पौत्र श्री मदन कुमार चतुर्वेदी (होलीपुरा/कलकत्ता) द्वारा 24000/–
17. अपनी पूज्यनीय माताजी श्रीमती अनुराधा चतुर्वेदी की ओर से उनके तथा स्व मदन मोहन जी के सुपुत्र श्री ऋषभ चतुर्वेदी द्वारा Rs .12,000/–
18. अपनी चाची श्रीमती निधी एवं चाचा श्री मनीष (फरौली/गाजियाबाद) की वैवाहिक वर्षगांठ के शुभ अवसर पर श्री दीपांशु जी सुपुत्र श्री लोकेंद्र जी (फ़रौली/ग़ाज़ियाबाद) द्वारा Rs.12,000/–
19. श्रीमती निर्मला चतुर्वेदी विनायक कॉम्पलेक्स दादाबाड़ी कोटा द्वारा Rs. 2000/
20. श्री आलोक चतुर्वेदी सुखधाम कॉलोनी कोटा द्वारा Rs . 6000/–
21. श्री विनय चतुर्वेदी प्रतापनगर कोटा द्वारा Rs 6000/–
22. स्व. प्रो. रमेश चंद्र चतुर्वेदी (मैनपुरी/सिलवासा) की प्रथम पुण्यतिथि (3rd may 2024) स्मृति में श्रीमती उषा चतुर्वेदी (पत्नी) के द्वारा Rs 24,000/–
23. श्री रविकान्त चतुर्वेदी , कोटा – Rs1000/–
24. अक्षय तृतीया के पुनीत पर्व पर अपने पूजनीय माता श्री तथा पिता श्रीं की पुण्य स्मृति में। ; अन्नपूर्णा तथा छात्रवृति सहयोग) श्री केदार नाथ जी जयपुर द्वारा Rs 24,000/–
25. गुप्त सहयोग (भरूच /चेन्नई) Rs 21,000/–
26. श्रीमती कामिनी देवी की पुण्य स्मृति में श्री गजेंद्र चतुर्वेदी (लखनऊ) द्वारा Rs 5100/–
27. श्रीमती कस्तूरी देवी की पुण्य स्मृति में श्री जगदीश जी (भोपाल) द्वारा Rs.5100/–
28. अपनी मौसी स्व प्रेमलता (प्यानो) की पुण्य स्मृति (30.04.2024) में सुश्री हर्षिता सुपुत्री श्री शेखर एवं श्रीमती तारा चतुर्वेदी (चंद्रपुर/इंदौर) द्वारा Rs .12,000/–
29. अपने पूज्य पति स्व. दीपक चतुर्वेदी की पुण्य स्मृति में श्रीमती शशि जी (अजमेर) द्वारा Rs.5100/–

30. श्री माथुर चतुर्वेदी समुदाय मुंबई द्वारा – Rs.3,00,000/–
31. श्री दिनकर राव चतुर्वेदी (कानपुर) द्वारा –Rs 5100/–
32. अपने बाबा स्वर्गीय प्यारेलाल जी चतुर्वेदी तथा दादी स्व श्रीमती शकुंतला जी की स्मृति में श्रीमती आकांक्षा चतुर्वेदी पुत्री श्री अजय एवं श्रीमती बीना जी (कमतरी/कानपुर) द्वारा Rs 11,000/–
33. अपने माता श्रीमती रेणु जी तथा पिता श्री पदम जी की ५०वीं शादी सालगिरह के उपलक्ष्य में श्री तुषार चतुर्वेदी (तरसोख़र/ लंदन) द्वारा Rs 5100/–
34. अपने पिता श्री स्व. राकेश जी के जन्मदिन की स्मृति में श्री अनुज जी (बिजकोली/ग़ाज़ियाबाद) द्वारा Rs.12,000/–
35 .श्री अनुपम चतुर्वेदी द्वारा अपने पिता श्री अशोक कुमार चतुर्वेदी की स्मृति में Rs1100/–
36.श्री हृदय नाथ जी चतुर्वेदी (होलीपुरा/ भोपाल) द्वारा Rs–11000/–
37. अपनी माता स्व. शकुंतला जी की स्मृति में श्री मनोज चतुर्वेदी (सागर/आगरा) द्वारा – 2100/–
38 . अपने पिता श्री ओंकार पांडे के स्मृति में श्री संजय चतुर्वेदी (होलीपुरा/लखनऊ) द्वारा Rs.5100/–
39. अपने बाबा श्री पृथ्वी नाथ जी स्मृति में हर्ष चतुर्वेदी(अमेरिका) सुपुत्र श्री किशोर चतुर्वेदी (आगरा/भोपाल) द्वारा Rs.12,000 /–
40.ताऊजी स्व. कामिनी मोहन जी की पुण्य तिथि (5 जून) पर हर्ष मोहन @मोहित द्वारा अन्नपूर्णा सहायतार्थ 6000/–
41. श्री रुचिर सुपुत्र श्री कमलेश जी, झाँसी –12000/–
42. श्री आनंद जी,प्रयागराज – 11000/–
43. अपने पिता श्री यतीश चंद्र जी स्मृति में श्री दिवस चातुर्वेदी (लखनऊ) द्वारा Rs. 11,000/–
44. श्री रचित सुपुत्र श्री कमलेश जी, झाँसी –12000/–
45. सौ. आरुषी–चि.मृदुल के शुभविवाह (11 मार्च 2024) के अवसर पर श्री राजीव जी (मैनपुरी/ लखनऊ) ने – 2100/
46. स्वर्गीय श्रीमती सुषमा चतुर्वेदी (कछपुरा) पत्नी स्वर्गीय डॉ. श्री यतींद्र नाथ चतुर्वेदी (औरैया/सिकंदरपुर) की स्मृति में उनकी पुत्री डॉ. प्राची चतुर्वेदी (होलीपुरा/भोपाल) द्वारा 5000/– अन्नपूर्णा सहायतार्थ दिए गए।
47. स्व.श्रीमती गीता चतुर्वेदी की स्मृति में श्री दिवाकर नाथ चतुर्वेदी (पुरा/भोपाल) द्वारा 15000/–
48. श्रीमती विमला चतुर्वेदी पत्नी स्व. जयप्रकाश चतुर्वेदी(फरौली/भोपाल) द्वारा– 11000/–49. श्री अशोक जी एवम् श्री आनंद जी, हवेली होलीपुरा द्वारा अन्नपूर्णा सहायता हेतु – 24,000/–
50. श्री कृष्ण कांत चतुर्वेदी(राघो) 12000/ (–पुरा/हैदराबाद), श्री प्रणव चतुर्वेदी (पंकू)(कमतरी/ हैदराबाद) द्वारा 5000/– एवं श्रीमती बीना मिश्रा(मैनपुरी/आगरा) द्वारा 8000/–

कुल जमा 25000/–

51. स्वयंभू चतुर्वेदी, बैंगलोर– 24000/–
52. स्व.मुक्ता प्रसाद जी (फरौली/मुंबई) की स्मृति में जयदीप जी द्वारा 5100/–
53. अपने पौत्र चि. सहस्त्र पुत्र श्री नितिन–श्रीमती अंकिता के जन्मदिन के उपलक्ष्य में श्री नवीन जी–श्रीमती मधु (जहांगीरपुर /लखनऊ) द्वारा रूपया 2100/–
54. श्री प्रभाकर तथा श्री शरद चतुर्वेदी (हिन्डौन/लखनऊ) के द्वारा अपने पिता स्व. श्री बैकुण्ठ नाथ चतुर्वेदी एवं माँ स्व. श्रीमती शान्ती देवी (जावित्री देवी) की पावन स्मृति में 24000/–
55 . पितृ पक्ष के अवसर पर , अपने पूर्वजों स्व श्री बाबूराम जी, पिता श्री कामता प्रसाद जी एवं माता श्री अंगूरी देवी तथा अन्य सभी बुजुर्गों की पुण्य स्मृति मैं श्री भुवन कुमार चतुर्वेदी (मैनपुरी/गुरुग्राम) एवं परिवार द्वारा – Rs. 36000/–
56. श्रीमती शीला चतुर्वेदी की स्मृति में श्री कृष्णकांत जी (होलीपुरा/लखनऊ) द्वारा–12000,
57. धर्मेंद्र जी,(पिनाहट) –2100/–,
58. श्री एकांश सुधीर जी, नोएडा द्वारा अपने बाबा स्व.श्री प्रताप चंद्र जी व दादी स्व. श्रीमती कस्तूरी देवी की स्मृति में –5100/–
59. श्रीमती छमा पुनीत चतुर्वेदी, ग्वालियर –2100/–,
60. श्री नमन चतुर्वेदी –2100/–,
61. श्री विनोद चतुर्वेदी गुरुग्राम –5100/–,
62. दिवस चतुर्वेदी,लखनऊ द्वारा पुत्ररत्न की प्राप्ति के अवसर पर – 5100/–,
63. श्री रूपक चतुर्वेदी लखनऊ द्वारा– 5100/–,
64. स्व. लक्ष्मी नारायण ठाकुर की हवेली परिवार होलीपुरा की ओर से डॉ. मनोज चतुर्वेदी (ग्वालियर) द्वारा 12000/–
65. श्रीमती नीतिका अभय राज चतुर्वेदी (गुरुग्राम) –2100/–
66. श्रीमती अनीता चतुर्वेदी, नोएडा 1100/–
67. सुश्री सिद्धि चतुर्वेदी सुपुत्री श्रीमती निधि एवं श्री मनीष कुमार चतुर्वेदी (फरौली/गाजियाबाद) के जन्मदिन के अवसर पर श्री लोकेंद्र नाथ चतुर्वेदी (फरौली/गाजियाबाद) द्वारा महासभा अन्नपूर्णा –5100/–
68. श्री दीपक चतुर्वेदी, लखनऊ 1000/–
69. श्री पदम चतुर्वेदी, लखनऊ 1000/–
70. डॉ. मनीष चतुर्वेदी, कोटा 1100/–
71. श्री धनेष चतुर्वेदी, साहिबाबाद 11000/–

कुल प्राप्त सहयोग राशि योग : Rs.10,06,800/–

इस पुण्य कार्य में सहयोग के लिए सादर आग्रह है। सभी से बांधव तथा बहनों से करबद्ध निवेदन है कि इस पुण्य कार्य में खुले हृदय से सहयोग देने की कृपा करे ।

राशि स्थानातंरण के बाद उस राशि की सूचना निम्न नंबर पर अपने दूरभाष तथा email के साथ भेजने की कृपा करें ।

निवेदक

शशांक चतुर्वेदी

मंत्री

श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा

9826086879

हमारे लोक पर्व
सांझी माता या चंदा तरैया

- श्रीमती उषा चतुर्वेदी, भोपाल

सांझी माता का पर्व भाद्रपद की पूर्णिमा से अश्विन मास की अमावस्या तक होता है। यह पर्व विशेषकर कुंवारी कन्याओं का होता है। यह पूरे पितृपक्ष के 16 दिनों तक चलता है। सांझी माता का पर्व विशेषकर ब्रज क्षेत्र राजस्थान बुंदेलखंड गुजरात मालवा निमाड़ मैं मनाया जाता है। सांझी माता को ब्रज क्षेत्र में चंदा तरैया कहते हैं। ब्रज क्षेत्र के(भदावर) आगरा, मथुरा, बटेश्वर तथा आगरा जिले के बाह तहसील के गांव में ब्रज भाषा बोलने के कारण ही चंदा तरैयां कहलाता है। कुंवारी कन्याएं 16 दिनों तक घर के बाहर दरवाजे के पास वाली दीवार पर अथवा घर के अंदर आंगन की दीवाल पर गोबर से विभिन्न आकृतियां बनाती है। 16 दिन अलग-अलग आकृति बनाई जाती है, लेकिन सूरज देवता चंद्रमा देवता तथा 7 तारे आवश्यक रूप से रोज बनाए जाते। कुंवारी कन्या है पहले घर के दरवाजे के पास वाली दीवार को चूने से पोत कर पवित्र करती है। उसके बाद उसे गाय के गोबर से लीपती है। उतना ही स्थान लीपती है जितने स्थान पर सांझी माता एवं अन्य चीजें बनाती हैं। जिस स्थान को लिखती है ऊपर एक कोने में सूरज देवता तथा दूसरे कोने में चंद्रमा बनाती हैं। बीच में सात तारे रखती हैं। साथ ही बीचोंबीच में सात स्वास्तिक बनाकर उन्हें आपस में जोड़ती हैं। उसे सत सतिया कहते हैं। फिर उसे रोली, हल्दी, आटा, चूड़ी के टूटे हुए टुकड़े, मोती, चमकने पन्नी आदि से सजाती हैं तथा दूसरे दिन जो दीवाल पर गाय के गोबर से जो वस्तुएं बनाई हैं उन्हें निकाल कर उस सूखे गोबर को इकट्ठा कर लेती हैं। दूसरे दिन फिर दीवाल को गोबर से लीपती है तथा दूसरी आकृति बनाते हैं, जैसे चौपड़, शंख 8 कली का फूल, पंखा, मोर मोरनी, चारदीवारी, 8 देवारी फूल का गमला, वृद्ध दंपति, हाथी, जनेऊ, नदी इसमें गंगा जमुना या अन्य नदियां बनाती साथ में सूरत देवता चंद्रमा देवता तथा तारे अवश्य ही बनाती हैं। यदि कुछ नहीं बनाती तो उस दिन चंद्रमा सूरज और सात तारे आवश्यक रूप से बनाती हैं। बनाने का कार्य शाम को होता है तथा अंधेरा हो जाने के बाद सांझी माता की आरती होती है तथा साथ ही में प्रसाद लगाया जाता है। क्योंकि यह एक पर बिजी है तथा एक खेल भी है इसमें जो प्रसाद बनाती हैं एक दूसरे को नहीं बताती कहती हैं आप अनुमान लगाओ यदि अनुमान सही निकलता है वह कन्या बहुत होशियार मानी जाती है। क्योंकि यह शाम को बनाई जाती है इसलिए सांझी कहते है। ब्रज क्षेत्र में इसे चंदा तरैया इसलिए कहा जाता है, क्योंकि चांद और सात तारे आवश्यक रूप से बनाने होते हैं। तेरस के दिन लड़के की शादी में बनाई जाने वाली एक विशेष प्रकार की कलाकृति बनाते हैं। यह कलाकृति अमला कही जाती है(ब्रज क्षेत्र में लड़के की शादी में यह कलाकृति रंगों से बनाई जाती है तथा दुल्हन पहले इस कलाकृति की पूजा कर कर तब घर में प्रवेश करती है। इसमें दूल्हा-दुल्हन भी बनाए जाते हैं) चौदस के दिन इसे हटाते नहीं है तथा अमावस्या के दिन इसे हटा कर दीवाल को चूने से पोतते हैं। फिर उसी स्थान पर रंगों से यही कलाकृति बनाई जाती है जो साल भर बनी रहती है। हमारी भारतीय संस्कृति कोई भी त्यौहार हो या पर्व हो प्रकृति से जुड़ने का भी संदेश देती है प्रकृति प्रदत्त जीव जंतु तथा अन्य प्राकृतिक वस्तुएं के संरक्षण का संदेश भी यह पर्व देता है। दीवाल पर बनाई जाने वाली विभिन्न आकृतियां उस का प्रतीक है। धार्मिक दृष्टि से हम देखें सांझी माता पार्वती जी का प्रतीक है। इनकी पूजा और आराधना करके कुंवारी कन्या अच्छा घर तथा वर मांगने की कामना करती हैं, साथ ही में अपने भविष्य को सुखद बनाने की कल्पना भी मन में रखती है। रात में जब दीपक जलाकर आरती करती हैं तथा आरती गाती भी हैंः

आरती रे आरती संझा वाली आरती
सोने का दिया भी म होवे की बाती
नो सौ पितरा पित्त रानी के
भरे कनागत पितरन के
अंत में वह सांझी माता से आशीष मांगती हैं।
माय माय तुम देओ आशीष।.
सांझी रे सांझी का ओढेगी
का पहनेगी
काय को सीस बन बाऐगी
मां कौशल्या मोसे कहीं बहन रुक्मणी मोसे कई

लेकिन आज आईटी के जमाने में लोग इस त्यौहार को पूरी तरह से भूले जा रहे हैं गांव में तो अभी भी थोड़ा बहुत प्रचलन है लेकिन शहर की बच्चियां सांझी माता का पर्व जानती ही नहीं। अभिभावकों से मेरा आग्रह है आओ हम लौट चलें अपने इन पर्वों की तरफ ताकि हमारी भारतीय संस्कृति सदा जिंदा रहे हमारे पर्व मोबाइल टीवी कंप्यूटर के कारण विलुप्त ना हो जाए। आओ लौट चलें भारतीय संस्कृति के लोक पर्वों की ओर।

शक्ति अर्जन - नवरात्रि

- सुचित्रा चतुर्वेदी, लखनऊ

सनातन परंपरा में सदैव उत्सव मनाते है चाहे ऋतु बदले या नयी फसल आये,इसी तरह ऋतु संधिकाल पर आश्विन एवं चैत्र मे नौ-नौ दिन पूजा पाठ एवं व्रत का उत्सव मनाते हैं,जिसे नवरात्रि कहते हैं, आश्विन नवरात्रि का समापन दशहरा पर्व तथा चैत्र नवरात्रि का समापन रामनवमी उत्सव के साथ होता है। नवरात्रि विशिष्ट साधना पद्धति से नवसृजन की प्रेरणाओं को क्रियान्वित करने का शुभ मूहूर्त माना जाता है।नैष्ठिक साधकों के लिए आश्विन एवं चैत्र नवरात्रों में अनुष्ठान साधना पद्धति एक अति आवश्यक पुण्य परंपरा में सदा सर्वदा से अपनाई जाती रही हैं। अध्यात्म क्षेत्र में साधना प्रयोजनों के लिए नवरात्रि विशेष रूप से उपयुक्त माना गया है। तप साधना के रूप में नवरात्रों में 24 हजार के गायत्री अनुष्ठान करने होते हैं,इन नौ दिनों के साधना सत्रों में सभी प्रयोजन पूरे होते हैं, जो जनमानस के परिष्कार एवं सत्प्रवृत्ति संवर्धन करने के लिए नितांत आवश्यक है।

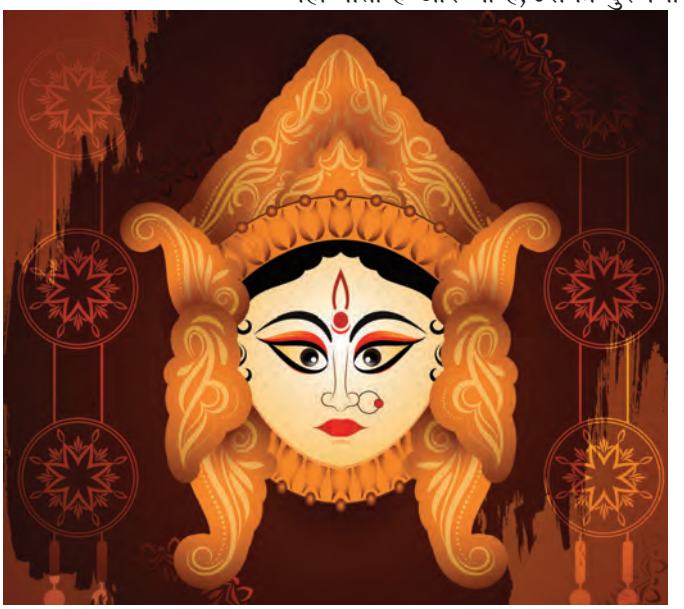

वस्तुतः नवरात्र महातप का महापर्व है --- शक्ति का संचय तथा उसका विशिष्ट सद्पयोग,इन दोनों के संयोग के बिना तप की प्रक्रिया पूरी नहीं होती। अर्जित शक्ति का सदुपयोग होना भी आवश्यक है,यह सदुपयोग अपनी वृत्तियों के परिष्कार में भी हो सकता है तथा किसी श्रेष्ठ कार्य में भी नियोजित हो सकता है।श्रेष्ठ कर्म से मन निर्मल होकर साधना की ओर उन्मुख होता है, हमको इस काल में अर्जित तप शक्ति का सुनियोजन करना चाहिए। शक्ति का सदुपयोग शक्ति का दान है, निष्प्राण में प्राण संचार है अर्थात जो कुछ हमारे पास है, उसके कण- कण का श्रेष्ठतम नियोजन, व्यावहारिक रूप यह सत्कर्म द्वारा सत्प्रवृत्ति संवर्धन के रूप में किया जा सकता है। अच्छा विचार करें और उस विचार को व्यवहार में उतारे,बोले तो सत्कर्म द्वारा सत्प्रवृत्ति का विकास ही तपस्या है। शक्ति की दुरुपयोग हमारी बुरी आदतों के कारण ही होती हैं, जिसके लिए हम स्वयं ही जिम्मेदार होते हैं। शक्ति की बरबादी या दुरुपयोग हमे पतन की ओर धकेलते है, जबकि इसके अभाव में हमें पीड़ा कचोटती है,हमारी कच्ची वृत्ति शक्ति को रोक नहीं पाती है और जो है,उसका दुरुपयोग कर पतन के कुचक्र में फंसाती रहती है या हम शक्ति शून्य होते जाते हैं, फलस्वरूप शक्ति के अभाव से हमारे सभी आयाम पीड़ित होते हैं।

इसीलिए नवरात्र के नौ दिनों में शक्ति का अर्जन करने के लिए तप एवं अनुष्ठान करने की आवश्यकता है, जिसका प्रथम चरण है -- क्षरण को रोकना अर्थात संयम की महासाधना,-दूसरा चरण है -- मनोयोग पूर्वक उपार्जन और तीसरे चरण में श्रेष्ठता की दिशा में शक्ति का सदुपयोग करना। नवरात्र के संकल्प में अपने पतन एवं पीड़ा के सम्यक निवारण का महाभाव उभरें, जो हममें तत्परता और प्रतिबद्धता से पूर्ण करने का यथासंभव साहस पैदा करें। ऐसे ही नवरात्र की साधना का संकल्प पूर्ण होगा और उसकी फलश्रुति दृष्टिगोचर होगी।जीवन में अभाव बोध घटेगा तथा सदुपयोग का सुयोग मिलेगा , यही नवरात्र का महातप है, जिस को सुवास मन और भावनाओं में भर जायेगी।इन नौ विशिष्ट दिनों में साधक का व्यक्तित्व इतना ऊर्जावान हो जाता है कि यह शक्ति उसे अगले चैत्र नवरात्र तक उर्जावान बनाए रख सकती हैं। हम सभी को नवरात्र में शरीर के लिए आस्वाद व्रत, मन के लिए संचिंतन और भावनाओं हेतु सेवा व्रत का पूर्ण रूप से निर्वाह कर शक्ति साधना करनी चाहिए।

हर समस्या का समाधान - सकारात्मक सोच

- संजय मिश्रा, कानपुर

एक व्यक्ति काफी दिनों से चिंतित चल रहा था जिसके कारण वह काफी चिड़चिड़ा तथा तनाव में रहने लगा था। वह इस बात से परेशान था कि घर के सारे खर्चे उसे ही उठाने पड़ते हैं, पूरे परिवार की जिम्मेदारी उसी के ऊपर है, किसी ना किसी रिश्तेदार का उसके यहाँ आना जाना लगा ही रहता है, इन्ही बातों को सोच सोच कर वह काफी परेशान रहता था तथा बच्चों को अक्सर डांट देता था तथा अपनी पत्नी से भी ज्यादातर उसका किसी न किसी बात पर झगड़ा चलता रहता था। एक दिन उसका बेटा उसके पास आया और बोला पिताजी मेरा स्कूल का होमवर्क करा दीजिये, वह व्यक्ति पहले से ही तनाव में था तो उसने बेटे को डांट कर भगा दिया लेकिन जब थोड़ी देर बाद उसका गुस्सा शांत हुआ तो वह बेटे के पास गया तो देखा कि बेटा सोया हुआ है और उसके हाथ में उसके होमवर्क की कॉपी है। उसने कॉपी लेकर देखी और जैसे ही उसने कॉपी नीचे रखनी चाही, उसकी नजर होमवर्क के टाइटल पर पड़ी।

होमवर्क का टाइटल था...

वे चीजें जो हमें शुरू में अच्छी नहीं लगतीं लेकिन बाद में वे अच्छी ही होती हैं।

इस टाइटल पर बच्चे को एक पैराग्राफ लिखना था जो उसने लिख लिया था। उत्सुकतावश उसने बच्चे का लिखा पढना शुरू किया बच्चे ने लिखा था...

मैं अपने फाइनल एग्जाम को बहुंत धन्यवाद् देता हूँ क्योंकि शुरू में तो ये बिलकुल अच्छे नहीं लगते लेकिन इनके बाद स्कूल की छुट्टियाँ पड़ जाती हैं।

मैं ख़राब स्वाद वाली कड़वी दवाइयों को बहुत धन्यवाद् देता हूँ क्योंकि शुरू में तो ये कड़वी लगती हैं लेकिन ये मुझे बीमारी से ठीक करती हैं।

मैं सुबह – सुबह जगाने वाली उस अलार्म घड़ी को बहुत धन्यवाद् देता हूँ जो मुझे हर सुबह बताती है कि मैं जीवित हूँ।

मैं ईश्वर को भी बहुत धन्यवाद देता हूँ जिसने मुझे इतने अच्छे पिता दिए क्योंकि उनकी डांट मुझे शुरू में तो बहुत बुरी लगती है लेकिन वो मेरे लिए खिलौने लाते हैं, मुझे घुमाने ले जाते हैं और मुझे अच्छी अच्छी चीजें खिलाते हैं और मुझे इस बात की ख़ुशी है कि मेरे पास पिता हैं क्योंकि मेरे दोस्त सोहन के तो पिता ही नहीं हैं। बच्चे का होमवर्क पढने के बाद वह व्यक्ति जैसे अचानक नींद से जाग गया हो। उसकी सोच बदल सी गयी। बच्चे की लिखी बातें उसके दिमाग में बार बार घूम रही थी। खासकर वह last वाली लाइन। उसकी नींद उड़ गयी थी। फिर वह व्यक्ति थोडा शांत होकर बैठा और उसने अपनी परेशानियों के बारे में सोचना शुरू किया।

मुझे घर के सारे खर्चे उठाने पड़ते हैं, इसका मतलब है कि मेरे पास घर है और ईश्वर की कृपा से मैं उन लोगों से बेहतर स्थिति में हूँ जिनके पास घर नहीं है। मुझे पूरे परिवार की जिम्मेदारी उठानी पड़ती है, इसका मतलब है कि मेरा परिवार है, बीवी बच्चे हैं और ईश्वर की कृपा से मैं उन लोगों से ज्यादा खुशनसीब हूँ जिनके पास परिवार नहीं हैं और वो दुनियाँ में बिल्कुल अकेले हैं। मेरे यहाँ कोई ना कोई मित्र या रिश्तेदार आता जाता रहता है, इसका मतलब है कि मेरी एक सामाजिक हैसियत है और मेरे पास मेरे सुख दुःख में साथ देने वाले लोग हैं।

हे ! मेरे भगवान! तेरा बहुंत बहुंत शुक्रिया

मुझे माफ़ करना, मैं तेरी कृपा को पहचान नहीं पाया।

इसके बाद उसकी सोच एकदम से बदल गयी, उसकी सारी परेशानी, सारी चिंता एक दम से जैसे ख़त्म हो गयी। वह एकदम से बदल सा गया। वह भागकर अपने बेटे के पास गया और सोते हुए बेटे को गोद में उठाकर उसके माथे को चूमने लगा और अपने बेटे को तथा ईश्वर को धन्यवाद देने लगा हमारे सामने जो भी परेशानियाँ हैं, हम जब तक उनको नकारात्मक नज़रिये से देखते रहेंगे तब तक हम परेशानियों से घिरे रहेंगे लेकिन जैसे ही हम उन्हीं चीजों को, उन्ही परिस्तिथियों को सकारात्मक नज़रिये से देखेंगे, हमारी सोच एकदम से बदल जाएगी, हमारी सारी चिंताएं, सारी परेशानियाँ, सारे तनाव एक दम से ख़त्म हो जायेंगे और हमें मुश्किलों से निकलने के नए – नए रास्ते दिखाई देने लगेंगे।

*अगर आपको बात अच्छी लगे तो उसका अनुकरण करके जिन्दगी को खुशहाल बनाइये...

डॉ. ओंकारनाथजी - स्मृति लेख

बाबुल तुम बगिया के तरुवर,
हम तरुवर की चिड़ियां रे...
उड़ जाएं तो लौट न पाएं,
ज्यों मोती की लड़ियां रे।

ये मेरे पिता की प्रिय कविता थी। 8 जून 2024 को हमारे बाबुल डॉ. ओंकरनाथजी चतुर्वेदी ने अपनी बगिया से अंतिम विदा ले ली। वे जब भी यह कविता सुनाते लोग भावुक हो पड़ते थे। 8 जून को इन पंक्तियों का मर्म बहुत गहराई से महसूस हुआ। मेरे पिता का जीवन विराट और वृहद रहा। यह उसमे से कुछ पहलुओं पर लिखकर उन्हे श्रद्धांजलि देने का प्रयास है।

अधिकतर लोग उन्हे हिंदी प्रोफेसर और साहित्यकार के रूप में जानते हैं। वे पेशे से नही हृदय से साहित्यकार थे। कहा करते कि एक लेखक उस समय के समाज का गवाह होता है । उसकी लेखनी समाज की अंतरात्मा को जगाए रखने वाली आवाज होती है। जब सच्चा इतिहास लिखा जाएगा, तब साहित्य उस समय का सबसे बड़ा साक्ष्य, सबसे सच्ची गवाही होगी।

डॉ. ओंकरनाथजी उस भारत में युवा हुए जब साहित्य का महत्व और साहित्यकारों का सम्मान हुआ करता था। जहां एक ओर नेहरू जी रामधारी सिंह दिनकर से मित्रवत व्यवहार रखा करते, दूसरी ओर दुष्यंत कुमारजी ने इमरजेंसी काल में जनमानस को झिंझोड़ दिया था। उस समय के भारत में जहां अन्य शीर्षस्थ साहित्यकार राष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय थे, डॉ. ओंकरनाथजी ने राजस्थान में हिन्दी साहित्य को बढ़ाने का मार्ग चुना। बूंदी राजघराने के राजकवि सूर्यमल्ल मिश्रण के काम पर रिसर्च उनका सबसे आरंभिक और सबसे महत्वपूर्ण कार्य रहा। 1968 में उन्होंने सूर्यमल्ल मिश्रण की जन्म शताब्दी पर एक राष्ट्रीय समारोह किया जिसमे राष्ट्रपति वि वि गिरी के साथ महाकवि रामधारी सिंह दिनकर, रमाकांत त्रिपाठी, नीरज, शैल चतुर्वेदी जैसे कई दिग्गज कवियों ने भाग लिया। ये एक ऐतिहासिक सम्मेलन था जिसने राजस्थान के हिंदी साहित्य को राष्ट्रीय स्तर पर ला खड़ा कर दिया। फिर कई वर्षों तक पापा के अथक प्रयासों के बाद 1990 में भारत सरकार ने सूर्यमल्ल मिश्रण के नाम पर डाक टिकट जारी किया। आज भी बूंदी के चौराहे पर पापा द्वारा स्थापित सूर्यमल्ल मिश्रणजी की मूर्ति उनके साहित्यिक यात्रा के मील के पत्थर के रूप में शोभायमान है।

उन्होंने राजस्थान की संत परंपरा पर 400 पेज का शोध ग्रंथ लिखा। व्यंग्य विधा में 9 पुस्तकें लिखीं। रेडियो, अखबारों और साहित्यिक पत्रिकाओं में उनके लेख अनेकों बार प्रकाशित हुए।

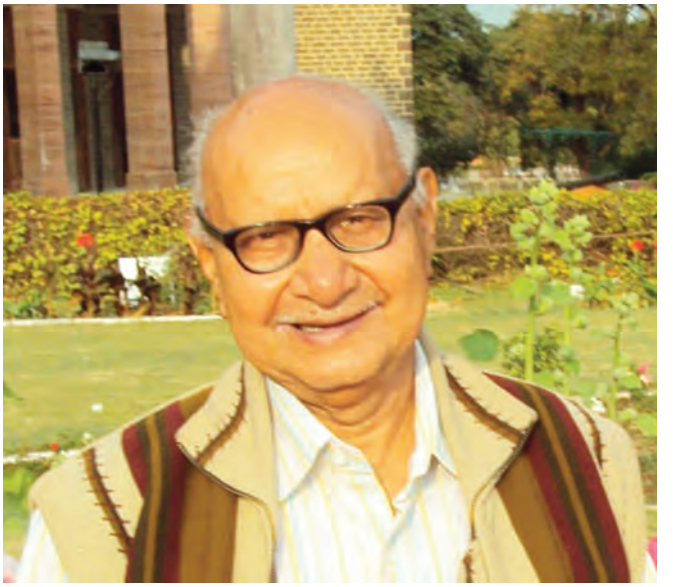

2008 में राजस्थान साहित्य अकादमी ने उन्हें पुरुस्कृत करते हुए उनके लेखन पर मोनोग्राफ प्रकाशित किया। उनकी साहित्यिक उपलब्धियों की सूची लंबी है। इतना कहना पर्याप्त होगा कि पिछले कुछ सालों से उनके लेखन पर PhD शोध किए जा रहे हैं।

उत्कृष्ट शोधकर्ता और साहित्यकार होने के साथ वे सच्चे साहित्य प्रेमी थे । उनके जीवन मूल्यों में , आचार- विचारों में साहित्यिक प्रभाव के कई उदाहरण देखने को मिलते हैं। उन्होंने अपने कॉलेज के समय शरतचंद्र का साहित्य पढ़ा था। उसके प्रभाव से उनके मन में नारियों को सामाजिक समानता और उच्च स्थान देने की प्रेरणा मिली। मैं राजस्थान में पला बढ़ा था। जब कभी सुनता कि कुछ घरों में बेटे और बेटियों के बीच भेदभाव हो रहा है तो समझ नही पाता क्योंकि हमारे घर में ऐसा कुछ कभी देखा था। साहित्य प्रेम से मिले आदर्शों को उन्होंने पूरी तरह जिया और फिर उस पर लिखा भी।

"कोयल क्यों मौन हुई", "मां मुझे बहुत भूख लगी है" जैसे लेखों से उन्होंने बच्चियों पर हुए अत्याचारों पर मार्मिक आवाज उठाई। आज हम साहित्य के संघर्ष युग में जी रहे हैं। अपनी भाषा में लिखना और उसका साहित्य पढ़ना बीते समय की बातें लगती हैं। Social media में लोग अंग्रेजी लिपि में हिंदी के मैसेज टाइप करते हैं।

पापा साहित्य के इस संघर्ष काल के महायोद्धा रहे।

उन्होंने साहित्यिक उत्थान के लिए निरंतर प्रयास किए। वे कई नए लेखकों को प्रोत्साहित करते; कभी साहित्यिक संस्थाओं को

अनुदान भेजते। मुझे कहते थे कि हिंदी पत्रिकाओं को खरीदो जिससे लेखन जीवित रहे। कहते कि हम आसानी से बाहर खाने में सैंकड़ों रुपए खर्च कर देते है लेकिन एक पुस्तक खरीदने में कितना सोचते हैं। हिंदी साहित्य को बढ़ावा देने के लिए उन्होंने मुझे बैंगलोर में हिंदी दिवस मनाने के लिए कहा। पिछले कई वर्षों से बैंगलोर में उनकी इस इच्छा का पालन हो रहा है।

कोरोना के समय कई लोग गुजर गए। पापा ने कोरोना काल में दिवंगत हुए साहित्यकारों को श्रद्धांजलि देते हुए एक पुस्तक छपवाई – "उजाले उनकी यादों के"। यह उनकी साहित्यिक वर्ग के प्रति संवेदनशीलता का ही नहीं बल्कि अपने से आगे बढ़ कर दूसरों को बढ़ावा देने की उदारता का भी परिचायक है।

साहित्य से परे उनका एक और बड़ा पहलू था – सुधारवाद का। समाज और राजनीति में गिरते मूल्यों पर वे निरंतर चिंतित रहते थे। जब भी उनसे बात होती उसमे व्यक्तिगत विषयों से ज्यादा ये बातें हुआ करती। सिर्फ बातें ही नही, उन्हे जब अभी अवसर मिला उन्होंने बड़े सुधारवादी काम भी किए। उन्हें दो बार कॉलेज हॉस्टलों का वार्डन का बनाया गया। 1980 की बात है। अलवर के ब्राह्मण हॉस्टल में रहने वाले लड़कों में ब्राह्मणों जैसे आचरण का अभाव देख कर उन्हे बहुत अखरा। कुछ महीनों के अनुशासन भरे कदम उठाने से उन्हे बड़े विरोध का सामना भी करना पड़ा। फिर कुछ राजनीतिक तत्व भी शामिल हो गए। उन पर जान का खतरा भी मंडराया। तो भी वे अपना काम निडर हो कर करते रहे। बाद में चल कर उसी हॉस्टल में हर दिन आरती होने लगी और साल में दो बार अखंड रामायण का पाठ भी शुरू हो गया। अखंड रामायण में लड़के उत्साहित हो कर रात भर जागते थे। बड़े भगोने में चाय बनाई जाती थी। बचपन की ये बड़ी सुंदर यादें हैं।

कोटा के रघुनाथ हॉस्टल में भी सुधारवाद के चलते उन्हें कई मुसीबतों का सामना करना पड़ा। वहां कुछ अपराधिक तत्वों से निपटने के लिए, रघुनाथ हॉस्टल के इतिहास में पहली बार पूरे हॉस्टल को खाली कराया गया। पुलिस का जबरदस्त बंदोबस्त हुआ। हॉस्टल सही दिशा में चल पड़ा। उन्हीं में से कुछ लड़के बाद में बड़े राजनेता बने और पापा को आदरपूर्वक मिला करते।

कठोरता के साथ उनमें अपने शिष्यों के प्रति स्नेह और जुड़ाव देखने को भी मिलता था। पापा तंबाकू खाया करते थे। एक बार उनके एक शिष्य ने बड़े प्यार से कहा कि गुरुजी आप आज जर्दा यहीं छोड़कर कर जाओ। इस दिन से उन्होंने हमेशा के लिए तंबाकू खाना छोड़ दिया। रिटायर होने के कई सालों बाद भी कई पुराने शिष्य उनके पांव छूते हुए दिखते थे। कहा करते कि गुरुजी की फलां बात उनके जीवन को प्रभावित कर गई।

उन्होंने लंबी आयु पाई। हमारे बाबा दादी को गुजरे तीस साल से ज्यादा होने के बावजूद , पापा उन्हे रोज याद किया करते थे। 11 भाई बहनों के बीच वे आठवीं संतान थे। उन्हे इस बात का गहरा संतोष था कि छोटे भाई होते हुए भी, बाबा और दादी के अंतिम संस्कार करने का जिम्मा उन्हे मिला और उसे उन्होंने बहुत अच्छे से संपन्न किया। अंतिम समय में दादी का सिर पापा की गोद में था और मम्मी दादी को सचेत करने के लिए उनके तलवे मल रही थीं। उस क्षण को वे अक्सर याद किया करते और भावुक हो जाते थे। अपने माता पिता के प्रति ऐसी अगाध निष्ठा और अनुराग दुर्लभ है और अनुकरणीय भी। जाने के एक दिन पहले तक वे प्रसन्नचित्त थे। 86 वर्ष की आयु में भी वे अपने सभी काम स्वयं कर लेते थे। निरंतर साहित्यिक लेखन करते थे। सुबह एक पेज राम नाम का लिखते और एक पेज डायरी का। उन्हे घूमने का बड़ा शौक था, जब कभी सड़कों पर निकलते तो कोटा कॉलेज, चौराहों और बगीचों के सौंदर्य की प्रशंसा किया करते। हमारे दादाजी नौकरी के सिलसिले में मथुरा से कोटा आ गए थे। वहीं पापा जन्मे । अपनी जन्मभूमि कोटा और राजस्थान से वे इसीलिए बड़ा प्रेम करते थे। हर जगह, हर शहर – भीड़ का जमावड़ा भर ही होता है अगर वहां कोई अपना न हो। पापा के जाने से कोटा की तासीर और तस्वीर कहीं न कहीं बदल रही है।

"अमर प्रेम" फिल्म में अच्छा डायलॉग था – "बाबू मोशाय, जिंदगी लंबी नही, बड़ी होनी चाहिए।" मेरे पिता को ईश्वर ने बड़ी जिंदगी दी और लंबी भी। जीवन को संपूर्णता के साथ जीने वाले ऐसी बड़ी शख्सियत का जाना शोक का नही वियोग का अनुभव अवश्य है। पापा याद आयेंगे उन सब बातों में जो उन्हे प्रिय थीं, जिसमें उनकी छाप है। पापा याद आयेंगे जब लोग बैठकर गायेंगे, खुलकर हंसेंगे, जब घर में कोई बड़ी दावतें होंगी। हिंदी किताबों की खुशबुओं में, हिंदुस्तानी संगीत की महफिलों में, अखंड रामायण पाठ या रुद्राभिषेकों में वे बहुत याद आयेंगे। जब झमाझम बारिश होगी, जब कोयल गायेगी, गुलमोहर और अमलतास जब फूलों से लदे होंगे, हरश्रृंगार के फूल महक रहे होंगे या किसी बड़े हरे बाग में टहलते हुए – वे फिर फिर याद आयेंगे । जब कोई वृक्षारोपण कर रहा होगा, कहीं पुस्तक का विमोचन हो रहा होगा , वे वहां खड़े नजर आएंगे। घर में जब आलू की कचौड़ी, गुजिया, दही बड़े या खीर बनेगी, वे उसकी तारीफ करते हुए सुनाई देंगे। जब कहीं से लौट कर घर जाऊंगा, वे खुले हाथों से स्वागत करते दिखेंगे । उनकी स्मृति अमिट है । उनका स्नेह मेरे और मेरे परिवार की अमूल्य धरोहर है। आम लोगों की तरह मुझे भी नहीं मालूम कि आत्मा क्या होती है, उसको शांति कैसे मिलती है। शास्त्रों में लिखा है, तो सही होगा । उनकी आत्मा को अवश्य शांति मिले। लेकिन मेरी आत्मा में, मेरे मन में उनकी कमी हमेशा हमेशा के लिए खलेगी, एक कभी न भरने वाली रिक्तता सदा रहेगी। नम आंखों से, उन्हे हृदय से सादर नमन ।

– **सौरभ चतुर्वेदी,** बैंगलोर 96325 00888
(र.क्र.–2859)

संपादक के नाम पत्र

श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक दिनांक 15 सिंतबर को दिल्ली में आयोजित हुई , 14 सिंतबर की शाम NCR की शाखा सभाओं की सभापति महोदया श्रीमती उषा जी के साथ बहुत ही सार्थक बैठक सम्पन्न हुई ,जिसमें बहुत अच्छे अच्छे सुझाव मिले। कार्यकारिणी बैठक भी अत्यंत सफल रही ,हम सभी लोग दिल्ली सभा के बांधवो द्वारा किये गये स्वागत सत्कार से अभिभूत है। हर व्यवस्था उत्तम थी। मीटिंग के दौरान कई विषयों पर सार्थक विचार विमर्श हुए और मुझे पूर्ण विश्वास है बैठक में संरक्षक श्री सतीश जी द्वारा बहुत ही उपयोगी विचार दिए,इस मंथन यात्रा में जो निष्कर्ष निकले है वो भविष्य में धरातल पर भी दिखाई देंगे।

– **संजय मिश्रा,** कानपुर

***

भाई शशांक जी पालागन

महासभा की प्रथम कार्यकारिणी में शामिल होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ सबसे पहले दिल्ली सभा के सभी सम्मानित कार्यकताओं को हार्दिक धन्यवाद जिनकी सफल मेहनत से कार्यकारिणी बहुत ही सफल संपन्न हुई सभा में संरक्षक मंडल की उपस्थिति ने सभा को नई दिशा दी दिल्ली सभा के कार्यकर्ताओं के साथ सभा के संरक्षक श्री भरत जी द्वारा द्वार पर स्वागत ने गदगद कर दिया कलेवा के लिए अनुरोध करना एक अथिथ्य का उदाहरण था दोपहर को स्वादिष्ट भोजन की व्यवस्था अति उत्तम थी सभा में उपस्थित सभी का सम्मान के साथ साथ समाज के बुजुर्ग बंधुओ का सम्मान प्रसनीय है सभा के संरक्षक भाई सतीश जी द्वारा अगली बैठक मथुरा में करने के घोषणा का करतल ध्वनि से स्वागत किया गया सभा में भाई प्रदीप जी पूर्व अध्यक्ष द्वारा प्रस्तुत आय व्यय का ब्योरा अत्यंत कुशलता से पास करवाना और वोटो के निस्तारण की स्वीकृत के लिए कमेटी गठित करना वर्तमान अध्यक्षा श्रीमती उषा जी के कुशल नेतृत्व का एक उदाहरण है अन्नपूर्णा योजना में धन संग्रह करना सफलता की प्रथम सीढ़ी प्राप्त करना ही है सभा के कुशल संचालन के लिए अध्यक्ष एवम ऊर्जावान महामंत्री को हृदय से बधाइयां भाई शशांक जी ने जिस कुशलता से प्रथम बैठक का संचालन किया एक कुशल मंत्री ही कर सकता है उसके लिए साधुवाद

– **मुकेश चतुर्वेदी,** अध्यक्ष
श्री माथुर चतुर्वेदी सभा आगरा रजि आगरा

***

आदरणीय संपादक जी

सादर अभिवादन

दिल्ली में आयोजित महासभा की कार्यकारिणी की बैठक के आयोजकों की प्रेमपूरित हर तरह की व्यवस्था बहुत ही सराहनीय थी तदर्थ अनेकानेक बधाइयां। सभागार में समाज की विशिष्ट विभूतियों को परिचित कराकर सम्मानित किया गया। इसके लिए सभी का अभिनंदन। हमारी सशक्त अध्यक्ष श्रीमती ऊषाजी के नेतृत्व में महासभा कीर्तिमान स्थापित करेगी।उनके उद्बोधन में आत्मविश्वास सुनने लायक था।किसी भी प्रकार की नकारात्मकता उनका स्पर्श भी नहीं कर पाती। हमारे संरक्षकों की उपस्थिति व संबोधन हम सबको मार्गदर्शन देते हैं। उल्लेखनीय उद्बोधन आदरणीय डा. श्री सतीश भाईसाहब का था जिसने अपने ऊर्जावान शब्दों से हर प्रकार के नैराश्य अथवा आशंका को यह कहकर दूर कर दिया कि ₹हमारी महासभा हमारे पूर्वजों के त्याग तपस्या व लगन निष्ठा और आशीर्वादों से फली फूली है। आपने इसके उच्च आदर्शों पर चलते हुए नये कीर्तिमान बनाने की रूपरेखा प्रस्तुत की। तदर्थ विशेष आभार। जय समाज जय संगठन

***

15 सितंबर रविवार को दिल्ली स्थित जयराम आश्रम पर आयोजित श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा की प्रथम कार्यकारिणी बैठक यादगार रही , कुछ बहुत ही उपयोगी मंथन के साथ कुछ अच्छे विचार भी प्राप्त हुए ..अध्यक्षा श्रीमती उषा जी, महामंत्री शशांक जी , संरक्षकगण श्री भरत जी, कमलेश जी, विकास जी ₹चुन्ना भैया₹,और डॉ. प्रदीप जी के विचार सुनने को मिले ...बैठक का आकर्षण संरक्षक सतीश जी का ओजस्वी उदबोधन रहा जिसने सभी सदस्यों में एक नई ऊर्जा का संचार किया ..जहां तक एक अन्य प्रतिस्पर्धी संस्था का प्रश्न है मैं आदरणीय सतीश जी एवं उषा जी की इस बात से पूर्णतः सहमत हूँ कि हमे सिर्फ अपने कार्यों पर ध्यान देने की आवश्यकता है न कि किसी अन्य संस्था की गतिविधियों के बारे में चर्चा कर समय नष्ट करने की....उषा जी ने बताया कि पिछले दो महीनों में सदस्यों द्वारा चलाये गए आजीवन सदस्यता अभियान में तकरीबन 500 नए सदस्य महासभा से जोड़े गये ...जो निःसंदेह ही एक नया कीर्तिमान है लेकिन मेरे विचार से कीर्तिमान बनते ही टूटने के लिए है अतःमुझे पूर्ण विश्वास है कि अगली कार्यकारिणी बैठक में जब मिलेंगे तो सभी के सामूहिक प्रयासों से हम इस 500 कि संख्या को पार कर एक नया कीर्तिमान गढ़ेंगे। इस बार के सदस्यता अभियान में मुम्बई, कानपुर, लखनऊ इत्यादि शाखा सभाओं ने उल्लेखनीय कार्य किया है जिसके लिए इन शहरो के कार्यकारिणी

सदस्यों का हृदय से अभिनंदन और साधुवाद वही कुछ अन्य शहर जैसे देहरादून , पटना इत्यादि जहां अपने बांधवों की संख्या काफी कम है वहां के कार्यकारिणी सदस्यों ने भी समर्पित भाव से कार्य करते हुए अच्छी संख्या में आजीवन सदस्य बनाये है इन शहरों के महासभा कार्यकारिणी सदस्य भी बधाई के पात्र हैं।महासभा के मुखपत्र चतुर्वेदी चंद्रिका के बारे में भी लोगों ने आपने विचार प्रकट किए उनसे मिले सुझावों का संपादक श्री दिलीप जी ने संज्ञान लेते हुए आश्वस्त किया कि चंद्रिका के वितरण में अवश्य सुधार होगा उन्होंने 300 रुपये प्रतिवर्ष देने पर रजिस्टर्ड डाक से भेजने का भी उल्लेख किया अंत मे इस शानदार बैठक , सुस्वदिष्ट भोजन और ठहरने की बेहतरीन व्यवस्था करने के लिए राजू भाई , मनीष भाई, लोकेंद्र जी संजू जी एवं उनकी सम्पूर्ण टीम को हृदय से आभार आप सभी की अथक मेहनत ने इस बैठक रूपी कार्यक्रम को अविस्मरणीय बना दिया .....अब अगली कार्यकारिणी बैठक में शीघ्र सभी से पुनः मिलने की उत्सुकता के साथ....

पालागन

संजय होलीपुरिया, लखनऊ

जिंदगी की आहट का विमोचन

कानपुर में 7 सितंबर 24 को स्थानीय यूनाइटेड पब्लिक स्कूल के प्रेक्षगार में रूपीना मिश्रा पत्नी श्री किशोर मिश्रा द्वारा लिखित और प्रसिद्ध प्रकाशक किताब घर द्वारा प्रकाशित उपन्यास ज़िंदगी की आहट का धूमधाम से विमोचन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय सांसद श्री देवेन्द्र सिंह भोले और विशिष्ट अतिथि श्रीमति नीलिमा कटियार ने उपन्यास की भूरि भूरि प्रशंसा की, नीलिमा कटियार ने कहा कि ज़िंदगी की आपाधापी और मशीनी सी हो गई ज़िंदगी में ये संवेदनाओं, भावनाओं और रिश्तों की आहट ठंडी हवा के झोंके के समान है।

डॉ. देविना चतुर्वेदी द्वारा लिखी समीक्षा को पुत्री अरुणिमा द्वारा पढ़ा गया। पूरे उपन्यास में ज़िंदगी की आहट शीर्षक अंडर करंट की तरह साथ चलता है।

मुख्य वक्ता और समीक्षक डॉ. राकेश शुक्ला ने अपने अभिभाषण के दौरान उन्होंने उपन्यास में वर्णित प्राकृतिक चित्रण, भावनाओं, तीन दशकों में आए परिवर्तनों, मुख्य पात्रों की शरारतों आदि को उदाहरण सहित प्रस्तुत किया। उन्होंने किस्सागोई के तरीके की भी प्रशंसा की, उन्होंने कहा कि उपन्यास का अंत और इसका आदर्शोमुखी यथार्थवाद इसे साहित्य की श्रेणी में खड़ा कर देता है। कार्यक्रम का संचालन ज्येष्ठ पुत्री अदिति ने रोचक ढंग से किया और श्री किशोर मिश्रा ने अतिथियों का आभार व धन्यवाद किया।

झलकियां

1– सभा स्थल के मुख्य द्वार से प्रविष्ट होते ही भगवान राम का भव्य एवं सुंदर राम मंदिर था। मनमोहन मूर्तियां को प्रणाम कर लोगों का आगमन हुआ।

2 चारों तरफ पालागन पालागन की मधुर आवाज गूंज रही थी।

3– अलग–अलग समूह में लोग अपनी वार्ता में संलग्न थे। रंग–बिरंगे परिधानो में सजे समूह एक आकर्षण पैदा कर रहे थे।

4– गरमा गरम केसरिया दूध चौबे की विशेषता प्रदर्शित कर रहा था।

5, दूध फिको पी रहे हो, और दही जलेबी सूत रहे हो कहकर ठहाके के लग रहे थे।

6, अपनी ठेठ चौबे भाषा में काये आज का छनेगी। अरे नाय दूर जाने हैं। चूर्ण से काम चलाएंगे।

7.वातावरण उल्लासमय तथा प्रसन्नता जनक था। ना कोई तनाव ना कोई चिंता।

शाखा समाचार

अहमदाबाद

आज दिनांक 03.08.2024 श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा की अहमदाबाद शाखा द्वारा चतुर्वेदी मिलन, एवं चतुर्वेदी महासभा की कार्यकारिणी की घोषणा का आयोजन होटल प्लेटेनियम रेजिडेंसी पर किया गया। जिसमें सर्व सम्मति से निम्नलिखित कार्यकारिणी पद पारित किये गये-

(1)श्री अतुल चतुर्वेदी -संरक्षक
(2)श्री अविनाश चतुर्वेदी -संरक्षक
(3)श्री संजय चतुर्वेदी -अध्यक्ष
(4)श्री अतुल कुमार चतुर्वेदी -उपाध्यक्ष
(5)श्री राजीव चतुर्वेदी -सचिव
(6)श्री अनुराग चतुर्वेदी -संगठन सचिव
(7)श्री मती शिवानी चतुर्वेदी -कोषाध्यक्ष
(8)श्री अजय शंकर चतुर्वेदी -मीडिया प्रभारी

चतुर्वेदी सभा से संबधित अन्य प्रस्ताव

(1)प्रति वर्ष दो मिलन समारोह होली एवं दिवाली के आयोजन का प्रस्ताव पारित किया गया।

(2)फंड की व्यवस्था के लिए प्रति परिवार, प्रतिवर्ष 4000/- (चार हजार रूपये) का सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित हुआ, जिसके लिए क्यू. आर. कोड प्रस्तुति कर दिया जायेगा। अन्य जानकारी के लिए श्री संजय चतुर्वेदी एवं श्रीमती शिवानी चतुर्वेदी से सम्पर्क किया जा सकता है।

(3)श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा दिल्ली के लिए, श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा अहमदाबाद शाखा से कार्यकारिणी के लिए श्री संजय चतुर्वेदी को मनोनित किया गया। सभी बांधवों से निवेदन है कि यह शाखा आप सभी के सहयोग से बनायी गयी है इसलिए आप सब का सहयोग एवं उपस्थिति अधिक से अधिक संख्या में हो जिससे आप सभी के सहयोग से शाखा को गति दी जा सके।

सभी के सहयोग के लिए बहुत बहुत आभार।

- अजय शंकर, चतुर्वेदी
मीडिया प्रभारी

सभी बहनों व भाईयों को पालागन

हर्ष के साथ सूचित करना हैं कि , श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा की अध्यक्षा माननीय उषा जी द्वारा श्री माथुर चतुर्वेदी महिला प्रकोष्ठ गुजरातर के गठन की संस्तुति की हैं। माननीय उषा जी ने, श्रीमती मंजूषा चतुर्वेदी जी को श्री माथुर चतुर्वेदी महिला प्रकोष्ठ गुजरात की महिलाओं को संगठित करने की जवाबदारी देते हुये संयोजिका के महत्वपूर्ण पद पर नियुक्त किया है। अपनी गुजरात शाखा श्रीमती मंजूषा जी (पिंकी जी)के नेतृत्व में अच्छे मजबूत संगठन की कामना करते हुये उन्हें भरपूर समर्थन देने के लिये भी प्रतिबद्ध हैं।

- अध्यक्ष

***

लखनऊ

रविवार 25 अगस्त 24 को लखनऊ मंडल की बहुप्रतीक्षित आमसभा की बैठक श्री जयदीप जी के निवास पर आयोजित हुई। बैठक का शुभारंभ श्री पंकज जी एवं अजय जी के मंगलाचरण से हुआ। इसके बाद नवीन जी गोमतीनगर ने कोरम का प्रश्न उठाया,इस पर १५मिनट के स्थगन के बाद बैठक पुनः प्रारंभ हुई।

सर्वप्रथम अध्यक्ष अजयजी ने उपस्थित बांधवों का स्वागत करते हुए मंत्री नमन जी से कार्यवाही शुरू करने का आग्रह किया।नमन जी ने लंबे अंतराल के बाद आमसभा की बैठक बुलाने पर खेद प्रकट करते हुए कहा कि हमारा प्रयास होगा कि आमसभा की बैठक नियमित होती रहें, उसके बाद मंत्री ने कोषाध्यक्ष केयूर जी से वर्ष २०२३-२४ की बैलेंस शीट प्रस्तुत करने का आग्रह किया, केयूर जी ने बैलेंस शीट प्रस्तुत करते हुए बताया कि अब मंडल पर कोई देनदारी बकाया नहीं है। बैलेंस शीट पर चर्चा आरंभ करते हुए यदुवेश जी(LDA)ने मैडिकल फंड में १०%सेकम धनराशि स्थानांतरित करने पर सवाल उठाया, पंकज जी ने सफाई दी तो कोषाध्यक्ष ने इस गलती को मानते हुए अगले वित्तीय वर्ष में पूरा फंड स्थानांतरित करने का आश्वासन दिया। बैलेंस शीट पर चर्चा में सर्वश्री ललित जी,पंकज जी, दिलीप जी,यदुवेशजी(कृष्णानगर), संजय जी,प्रफुल्ल जी,नीरज जी, प्रवेश जी,पूनम जी, वर्षा जी, बबिता जी के साथ ही वरिष्ठ सदस्यों सर्वश्री गणेशजी, नवीन जी,दीपक जम्मू जी, प्रभातजी,फणीन्द्र नाथ जी,दिवाकर जी ने भी अपने अपने विचार रखे। इसके बाद सदन ने सर्वसम्मति से बैलेंस शीट पास कर दी। इसके बाद कोषाध्यक्ष ने समयाभाव का हवाला देते हुए अपने पद से त्यागपत्र की पेशकश की,जिसे सदन ने अध्यक्ष जी के अनुरोध पर सर्वसम्मति से अस्वीकृत कर दिया।अध्यक्ष एवं मंत्री के अनुरोध पर सदन ने उन्हें कार्यकारिणी के पुनर्गठन करने पर सहमति दे दी। इसके बाद गणेश जी ने चतुर्वेदी वेलफेयर ट्रस्ट के संबंध में मंडल के पदाधिकारियों की विगत छः साल से उदासीनता की शिकायत की,इस पर सदन के आग्रह पर मंडल अध्यक्ष एवं मंत्री ने ट्रस्ट के

पदेन सदस्यता से त्यागपत्र दे दिया, इसके बाद उन्होंने ट्रस्ट से अपने स्थान पर नये सदस्य मनोनीत करने का अधिकार भी दे दिया।इसके बाद अध्यक्ष जी ने मेडिकल फंड को आपदा राहत में तब्दील करने का प्रस्ताव रखा, इस पर ललित जी ने प्रस्ताव का कड़ा विरोध किया, प्रस्ताव पर चर्चा में यदुवेशजी, प्रवेश जी, हर्ष जी, भुवन जी, अभिनव जी, नितिन जी ने भी अपने अपने विचार रखते हुए इस प्रस्ताव का विरोध किया।सदन ने मेडिकल फंड का केवल मेड़िकल के लिए ही उपयोग करने का अनुमोदन किया। उपस्थित महिलाओं पूनम जी, राखी जी, सुचिता जी वर्षा जी एवं मेघना जी ने हरियाली तीज कार्यक्रम की जानकारी चाही तो अध्यक्ष अजय जी ने शीघ्र ही कार्यक्रम आयोजित करने का आश्वासन दिया। इसके बाद सदन ने जयदीप जी और राखी जी को सुंदर स्थान एवं सुमधुर जलपान के लिए धन्यवाद देकर मंत्री नमन जी ने बैठक समाप्त करने की घोषणा की।

–**सौरभ चतुर्वेदी,** संयुक्त मंत्री

***

गाजियाबाद

श्री माथुर चतुर्वेदी शाखा सभा द्वारा 8 सितंबर, 2024 की मीटिंग की आख्या दिनांक 8 सितंबर 2024 को गाजियाबाद शाखा सभा की कार्यकारिणी की मीटिंग श्री नीरद जी के आवास पर आयोजित की गई। मीटिंग में तरसोखर निवासी साहिबाबाद प्रवासी श्री विकास जी को सभापति जी ने सदस्य के रूप में कार्यकारिणी के साथ जोड़ा।

सभापति श्री प्रदीप चतुर्वेदी 'संजू' के अनुरोध पर श्री गोपाल कृष्ण जी ने मंगलाचरण गाकर मीटिंग का शुभारंभ किया। इसके बाद सचिव श्री अभय चतुर्वेदी द्वारा मीटिंग का एजेंडा प्रस्तुत किया गया तथा पिछली मीटिंग की आख्या प्रस्तुत की गई, इसके पश्चात सभा के समक्ष आय व्यय का ब्योरा सभापति जी ने प्रस्तुत किया।

श्री समीर जी द्वारा छात्रों एवं अन्य क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करने वाले बालको एवं युवक युवतियों को सभा के आगामी कार्यक्रम में सम्मानित करने का प्रस्ताव रखा गया जिसको सभी ने स्वीकार किया तथा उसके क्रियान्वन का उत्तरदायित्व समीर जी को दिया गया। सभा ने निकट भविष्य में किए जाने वाले कार्यक्रमों पर चर्चा की फलस्वरूप पिकनिक का कार्यक्रम सर्वसम्मति के साथ आगामी 10 नवंबर को करने का फैसला लिया। सभा ने 2025 होली मिलन के कार्यक्रम को करने के लिए 9 मार्च 2025 की तारीख तय की। अंत में एडवोकेट वी एन चतुर्वेदी जी ने मीटिंग के सफल आयोजन एवं सदस्यों के जलपान की व्यवस्था करने के लिए नीरद जी एवं उनकी धर्मपत्नी को धन्यवाद दिया। अगली मीटिंग को फर्रुखाबाद निवासी गाजियाबाद प्रवासी श्री भूषण जी ने अपने निवास स्थान पे कराने का प्रस्ताव दिया जिसे सभी सदस्यों ने स्वीकार किया।

– **अभय चतुर्वेदी,** सचिव

समाज समाचार

- श्री एकांश चतुर्वेदी पुत्र श्री सुधीर चंद्र चतुर्वेदी (चंद्रपुर/नोएडा) नेअपने बाबा स्व० प्रताप चंद्र चतुर्वेदी व दादी स्व० कस्तूरी देवी चतुर्वेदी) की स्मृति में महासभा की अन्नपूर्णा योजना में 5100/– रुपये का सहयोग दिया। (र.क्र.–2788)

***

- श्रीमती मंजू चतुर्वेदी पत्नी स्व. यतीश चतुर्वेदी (लखनऊ) द्वारा चि.दिवस– सौ. गीतिका को पुत्र रत्न की प्राप्ति के अवसर पर अन्नपूर्णा योजना में 5100/– का प्रदान किये। (र.क्र.–2830)

***

- अपनी धर्मपत्नी स्व. श्रीमती शीला चतुर्वेदी की स्मृति में श्री कृष्णा कांत चतुर्वेदी (होलीपुरा/लखनऊ) द्वारा अन्नापूर्णा सहायतार्थ 12000/– प्रदान किये। (र.क्र.–2860)

***

- सुश्री सिद्धि चतुर्वेदी सुपुत्री श्रीमती निधि एवं श्री मनीष चतुर्वेदी (फरौली/ गाजियाबाद) के जन्मदिन के अवसर पर श्री लोकेंद्र नाथ चतुर्वेदी (फरौली/ गाजियाबाद) द्वारा महासभा अन्नपूर्णा सहायता 5100/– प्रदान किए गए। (र.क्र.–2861)

बिछड़े स्वजन

* श्री प्रेम नाथ चतुर्वेदी पुत्र स्व. श्री कैलाश चंद्र चतुर्वेदी, मजिस्ट्रेट, (फिरोजाबाद) का स्वर्गवास दिनांक 27 अगस्त 2024 को हो गया।

* श्री लालता प्रसाद चतुर्वेदी (चंद्रपुर/ ग्रेटर नोएडा/दिल्ली) का स्वर्गवास दिनांक 27 अगस्त 2024 को हो गया।

* श्रीमति रेखा पांडेय पत्नी श्री भूषण पांडेय (होलीपुरा/देहली) का स्वर्गवास दिनाँक 5 सितंबर 2024 को दिल्ली में हो गया।

* श्री अवधेश चतुर्वेदी (भरतवाल, मैनपुरी) का देहावसान दिनाँक 10 सिंतबर 2024 को प्रयागराज में अपनी पुत्री के यहां हो गया।

* श्री मधुकर पाण्डेय पुत्र स्व.श्री पुरूषोत्तम पाण्डेय जी (होलीपुरा/कलकत्ता) का असामयिक निधन 08 सितंबर 2024 को कलकत्ता में हो गया।

* श्रीमती प्रतिभा चतुर्वेदी पत्नी स्व. श्री राकेश चंद चतुर्वेदी (बिजकौली/दिल्ली) का निधन शालीमार गार्डन स्थित अपने निवास पर दिनाँक 11 सितम्बर 2024 को हो गया।

* श्रीमती पुष्पा चतुर्वेदी पत्नी स्व. श्री चंद्रभान चतुर्वेदी का स्वर्गवास दिनांक 11 सितंबर 2024 को हो गया।

* श्रीमती शकुन्तला जी पत्नी स्व. शिव कुमार, (पुत्र वधू स्व. शम्भू नाथ पूर्व सभापति,महासभा)(चन्द्रपुर/इन्दौर) का देहान्त आज दिनाँक 15 सितम्बर 2024 को रात नौ बजे एम्स में हो गया।

* श्रीमती संध्या चतुर्वेदी पत्नी श्री नंदलाल चतुर्वेदी (बालापुर/जयपुर) का स्वर्गवास दिनांक 19 सितंबर 2024 को हो गया।

* श्रीमती सावित्री चतुर्वेदी (से.नि. अध्यापिका) पत्नी श्री ओंकार प्रसाद चतुर्वेदी का दिनांक 20 सितंबर 2024 को स्वर्गवास हो गया।

* श्रीमती मंजू जी पत्नी श्री पीयूष जी (चंद्रपुर/पटपड़गंज,दिल्ली) का स्वर्गवास दिनाँक 23/09/2024 को हो गया। वो कुछ समय से अस्वस्थ चल रहीं थीं।

* श्री अनूप (आशू) पुत्र स्व. कालेश्वर नाथ (फरौली) उम्र लगभग 40 वर्ष की अल्पायु में अभी अभी ग्राम फरौली में दिनाँक 30 अगस्त 2024 को अचानक स्वर्गवास हो गया।

* श्रीमती मीरा चतुर्वेदी पत्नी श्री नरेंद्र नाथ चतुर्वेदी (चंद्रपुर/गुड़गांव) का स्वर्गवास लगभग 78 वर्ष की आयु में दिनाँक 13 सितंबर 2024 को हो गया। आप श्री ज्ञानेन्द्र जी (कोषाध्यक्ष,श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा) की बहन थीं।

महासभा एवं चतुर्वेदी चंद्रिका परिवार दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हैं।

अश्रुपूर्ण स्मरण एवं श्रद्धांजलि

डॉ. ओंकारनाथजी चतुर्वेदी

जन्म: 17 जून 1938 – स्वर्गवास : 8 जून 2024

हमको सुध न जनम के पहले, अपनी कहाँ अटारी थी
आँख खुली तो नभ के नीचे, हम थे गोद तुम्हारी थी
ऐसा था वह रैन -बसेरा, जहाँ सांझ भी लगे सवेरा
बाबुल तुम गिरिराज हिमालय, हम झरनों की कड़ियाँ रे
उड़ जाएँ तो लौट न आयें, ज्यों मोती की लडियां रे
बाबुल तुम बगिया के तरुवर, हम तरुवर की चिड़ियाँ रे

गहन शोकाकुल व मर्माहत

पत्नी : श्रीमती अविनाश जी चतुर्वेदी
पुत्र, पुत्रवधू : गौरव– दीपिका, सौरभ– सौम्या
पुत्री – दामाद : स्व. गरिमा, स्मिता – पवित्र
पौत्रियाँ : पूर्वा, वामिका, मौलश्री, परम्बा, मनिष्का
एवं समस्त जौनमाने परिवार

(र.क्र. 2750)

स्वस्तिपन्था-मनुचरेम्-वेद।।

नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः। न चैनं क्लेदयन्त्यापो न शोषयति मारुतः॥

स्व0 श्री भीम्भजीत चतुर्वेदी जी (राजा साहब)
जौनमाने पुराकन्हैरा

स्व0 श्री लालता प्रसाद चतुर्वेदी जी (बाबूजी)
जौनमाने पुराकन्हैरा

स्व0 एड. श्री उपेन्द्र नाथ चतुर्वेदी जी
(पूर्व संरक्षक, चतुर्वेदी महासभा)

स्व0 श्री सुरेश चंद्र मिश्रा एवं श्रीमती सरोजनी मिश्रा
(दामाद एवं पुत्री स्व0 श्री लालता प्रसाद जी
एवं विद्यावती चतुर्वेदी जी)

स्व0 श्री जानकी प्रसाद चतुर्वेदी
(बिम्बो)
(दामाद स्व0 भीम्भजीत जी)

स्व0 श्री कामेश्वर नाथ एवं श्रीमती सुमन चतुर्वेदी
(पुत्र एवं पुत्रवधु, स्व0 श्री लालता प्रसाद जी
एवं विद्यावती चतुर्वेदी जी)

स्व0 श्री प्रभात एवं श्रीमती शैला चतुर्वेदी
(दामाद एवं पुत्री, स्व0 श्री लालता प्रसाद जी
एवं विद्यावती चतुर्वेदी जी)

सुधा चतुर्वेदी पत्नी स्व0 श्री जानकी प्रसाद चतुर्वेदी पुत्री स्व0 भीम्भजीत चतुर्वेदी

हरीश चतुर्वेदी एवं बंदना चतुर्वेदी सोमेन्द्र चतुर्वेदी एवं मधु चतुर्वेदी (पुत्र स्व0 प्रभात एवं शैला चतुर्वेदी) धेवते - लालता प्रसाद चतुर्वेदी एवं विद्यावती चतुर्वेदी जी

ऋतिका चतुर्वेदी, कृतिका चतुर्वेदी, प्रखर चतुर्वेदी मानव चतुर्वेदी एवं यश चतुर्वेदी (पौत्री एवं पौत्र स्व श्री प्रभात एवं शैला चतुर्वेदी)

श्रीमती मंजू चतुर्वेदी एवं करूणेश चतुर्वेदी श्रीमती मधु पाण्डेय एवं रंजन पाण्डेय श्रीमती ऋचा चतुर्वेदी एवं विवेक चतुर्वेदी डॉ. पूर्ति चतुर्वेदी (पुत्री स्व0 कामेश्वर नाथ एवं सुमन चतुर्वेदी) पौत्री - लालता प्रसाद चतुर्वेदी एवं विद्यावती चतुर्वेदी जी

प्राकुंर चतुर्वेदी, भाव्या पाण्डेय, प्रथम चतुर्वेदी (धेवते एवं धेवतीयां-स्व0 श्री कामेश्वरनाथ एवं सुमन चतुर्वेदी)

श्री विशाल चतुर्वेदी एवं जया चतुर्वेदी (पुत्र एवं पुत्रवधु स्व0 श्री कामेश्वर नाथ एवं सुमन चतुर्वेदी) पौत्र - लालता प्रसाद चतुर्वेदी एवं विद्यावती चतुर्वेदी जी

वेदांश चतुर्वेदी एवं ओजस चतुर्वेदी

(पौत्र स्व0 श्री कामेश्वर नाथ् एवं सुमन चतुर्वेदी)

(र.क्र. 2857)

Best Wishes From

Mr. Vinod Chaturvedi
Chief Human Resources Officer (CHRO)
Shree Cement Limited,
Cyber City, Gurgaon – 122002
Mobile – 8108158116
Email : vinod.chaturvedi@shreecement.com / vinodc.99@gmail.com

&

Mrs. Vatsala Chaturvedi
Mobile: 7738223130

Ms. Aashiree Chaturvedi
Lead Digital Marketing
Blue Dart - DHL Group
Andheri East, Mumbai
Mobile: 8879422506

Master Shreay Chaturvedi
Sales Associate
Tech Mahindra
Manchester (UK)
Mobile: +44 7947161962

"Kachpura" Niwasi – "Mumbai" & "Gurgaon" Pravasi

~ In Memory and Blessings from our Parents and Elders ~

Father: Late Sh. Pratap Chand Chaturvedi Ji
Mother: Late Smt. Urmila Ji (Beto Ji)

Grand Father – Late Sh. Dwarka Prasad Ji
Grand Mother: Late Smt. Sarbato Ji

Maternal Grandfather: Late Sh. Lakshmi Pat Ji
Maternal Grandmother: Late Smt. Rama Devi
(Neem Mandi, Mainpuri)

Uncle & Aunt:
Late Sh. Munn Lal Ji & Late Smt. Bimla Devi Ji

Late Sh. Haresh Ji & Late Smt. Raj Kumari Ji

Late Sh. Devendra Ji (Lalla Ji) & Late. Smt. Shailja Ji

Sh. Ramakant Ji & Smt. Vimla Ji
(289/9 Moti Ngr, Lucknow)

Sh. Krishna Kant Ji & Smt. Rita Ji
(206 kanchempearl, Laxmiganga Enclave, Pipeline Road, Hyderabad)

Elder Brother: Late Sh. Ashok Ji

Bua Ji & Phupha Ji:

Late. Smt.Bimla Ji & Late Sh. Harkumar Ji
(Bateshwar)

Smt. Shobha Ji & Late. Sh. Ajit Ji
(Hindaun / Palam, Delhi)

Father-In-law: Late Sh. Brijnath Ji
Mother-In-law: Late Smt. Mohini Ji
(Etawah)

Grand Father-In-law: Late Sh. Hari Narayan Ji
Grand Mother-In-law: Late Smt. Asharphi Ji

Grand Maternal Father-In-law:Late Sh.Kailash ji
Grand Maternal Mother-In-law:Late Smt.Usha Rani Ji
(Late.Smt.Sita Ji)
(Mishrana, Mainpuri)

Grand Maternal Uncle-In –law: Late Sh. Ashok Ji

Sister-In-law: Mrs. Renu
Brother-in-law: Sh. Saurabh
Nephew: Master Raghav
(Holipura / Kanpur)

Residences

Mumbai	Gurgaon	Manchester	Lucknow
702, Sea Nymph CHS, Green Field, A.B. Nair Road, Juhu Opposite, Juhu Post Office Mumbai - 400049 (Maharashtra)	MGF Vilas, SA – 406 Tower – J, DLF Phase 2 Akashneem Marg Sector 25 Gurgaon – 122002 (Haryana)	309, South Block Kampus Apartments 59, Chorlton Street M1 3FY Manchester (United Kingdom)	289/9 Moti Nagar Lucknow – 226004

(र.क्र. 2828)

R.N.I. NO. MAR/2000/2438
डाक पंजीयन संख्या म.प्र./भोपाल/44/2024–26
''चतुर्वेदी चन्द्रिका'' अक्टूबर 2024

पत्र व्यवहार का पता– ''चतुर्वेदी चन्द्रिका'' ई–8/जी–2/255,
गुलमोहर कॉलोनी, अरेरा कॉलोनी, भोपाल–39,
ईमेल –sampadak.chaturvedichandrika@gmail.com

समाज के रत्न

श्री गोपाल कृष्ण चतुर्वेदी

श्री नीलेन्द्र कुमार चतुर्वेदी

श्री कामेश्वरनाथ चतुर्वेदी

श्री बृजकिशोर चतुर्वेदी

श्री बालकृष्ण चतुर्वेदी

श्री देवेश चतुर्वेदी

श्री नरेन्द्रनाथ चतुर्वेदी